संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 68 बुधवार 08 जनवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

रमेश बिधूड़ी के बयान के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल

» तेलंगाना में प्रदर्शन के बीच बीजेपी कार्यकर्ताओं से झड़प; एक घायल

» कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भगवा पार्टी के कार्यालय पर फेंके पत्थर

» नारे लगाते हुए युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यालय में घुसने की कोशिश की

हैदराबाद,07 जनवरी 2025(ए)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ दिल्ली बीजेपी नेता रमेश बिधूड़ी ने आपत्तिजनक बयान दिया था। इस वजह से युवा कांग्रेस नेता भड़क गए और उन्होंने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भगवा पार्टी के कार्यालय पर कथित तौर पर पथराव किया, जिसमें एक भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गया।नारे लगाते हुए युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नामपल्ली स्थित तेलंगाना भाजपा मुख्यालय में घुसने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया।।

कांग्रेस के गुंडों पर हमला करने का आरोप

राज्य भाजपा महासचिव कासम वेंकटेश्वरलु ने कांग्रेस के गुंडों पर भगवा पार्टी के कार्यालय पर हमला करने का आरोप लगाया। पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए, वेंकटेश्वरलू ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ को हमले के लिए जिम्मेदार ठहराया।

इस बयान पर भड़के कांग्रेसी नेता

आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कालकाजी से भाजपा के उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी को हाल ही में उस टिप्पणी के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के गाल जितनी चिकनी सड़कें बनाएंगे। कांग्रेस ने उनसे महिलाओं का अपमान करने के लिए माफी की मांग की। साथ ही उनकी पार्टी के कुछ नेताओं ने भी असहमति जताई। बाद में हंगामे के बाद बिधूड़ी ने कथित आपत्तिजनक टिप्पणी पर खेद जताया। उनके एक सहयोगी के मुताबिक, यह बयान शनिवार को कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान दिया गया

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कार्यालय पर किया पथराव

दिल्ली भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी की कुछ विवादास्पद टिप्पणियों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को यहां भगवा पार्टी के कार्यालय पर कथित तौर पर पथराव किया, जिसमें एक भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गया।

महत्वपूर्ण खबर

अतुल सुभाष की मां ने लगाई सुप्रीम कोर्ट में अर्जी

पोते की कस्टडी को लेकर एससी ने की ये अहम टिप्पणी

नई दिल्ली,07 जनवरी 2025 (ए)। पत्नी पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर आत्महत्या करने वाले एआई इंजीनियर अतुल सुभाष की मां की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अतुल की मां अंजू देवी ने अपने 4 साल के पोते की कस्टड़ी हासिल करने के लिए अर्जी दायर की है हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मांग पर कोई आदेश देने से अभी इंकार किया। दरअसल सुनवाई के दौरान अतुल की पत्नी निहिता सिंघानिया की ओर से कोर्ट को बताया गया कि बच्चा अभी उसके पास है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान

5 फरवरी को मतदान , 8 फरवरी को होगी मतगणना

नई दिल्ली,07 जनवरी 2025 (ए)। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। चुनाव आयोग ने मंगलवार को जानकारी दी कि 5 फरवरी 2025 को दिल्ली में मतदान होगा और 8 फरवरी 2025 को मतगणना कर चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। इस चुनाव में कुल 70 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा।

अब शर्ट की बटन में सोने की तस्करी

नई दिल्ली,07 जनवरी 2025 (ए)।दिल्ली की आईजीआई एयरपोर्ट पर सोने की अनोखी तस्करी

अब सामने आई है। दरअसल तस्करों द्वारा एयरपोर्ट पर तस्करी के जरिए सोने-चांदी व हीरे के सामने व कई बार नशे के सामान लाया और ले जाया जाता है। इस बार भी तस्करों ने तस्करी का अनोखा तरीका निकाला और आईजीआई एयरपोर्ट पर सोने की अनोखी तस्करी की कोशिश की, जिसे नाकाम कर दिया गया है।

अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव के लिए 5 फरवरी को मतदान

अयोध्या ,07 जनवरी 2025 (ए)। दिल्ली विधानसभा के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर सीट पर भी आयोग ने चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। दिल्ली के साथ अयोध्या जिले की मिल्कीपुर सीट पर भी 5 फरवरी को वोटिंग होगी, जिसके नतीजे 8 फरवरी को घोषित किए जाएंगे।

असम में भूख से तड़प कर मरेंगे बांग्लादेशी घुसपैठिए

» भागने को हो जाएंगे मजबूर!

» क्या है सीएम हिमंता का नो मर्सी प्लान?

गुवाहाटी,07 जनवरी 2025 (ए)। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल का खामियाजा भारत को भुगतना पड़ रहा है! असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का दावा है कि अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के घुसने की कोशिशों में खूब इजाफा हुआ है। सरमा के अनुसार, बॉर्डर पर रोके गए सभी लोग मुस्लिम हैं, न कि बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय से. बांग्लादेशी घुसपैठियों की समस्या से निपटने के लिए सरमा ने नो मर्सी प्लान बनाया है। वह विभिन्न स्टेकहोल्डर्स से उनके इस प्लान पर अमल करने की गुहार लगा रहे हैं। मकसद है कि अवैध रूप से भारत में आए बांग्लादेशियों का दाना-पानी बंद कर दिया जाए। असम में उनका जीना मुहाल कर दिया जाए और वे यहां से भागने को मजबूर हो जाएं! सरमा ने मुंबई में टाटा, अडानी ग्रूप और महिंद्रा जैसे कॉरपोरेट घरानों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी. उनका एजेंडा साफ था- अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को सस्ते लेबर के लालच में काम न दिया जाए। सरमा ने कहा भी, ऐसे प्रवासियों को काम पर न रखकर बांग्लादेश से अवैध प्रवास की समस्या की जड़ पर प्रहार करने की जरूरत है।असम सीएम ने कहा कि भारतीय व्यवसायी बांग्लादेश से सस्ते मजदूर लाने के लिए बिचौलियों को काम पर रख रहे हैं, जहां कपड़ा इकाइयां बंद हो रही हैं। उन्होंने कहा, भारत में सस्ते मजदूर कौन लाता है? यह हमारा अपना उद्योग है। शर्मा ने कहा कि थोडी सी पूछताछ कीजिए,पता चल जाएगा कि पड़ोसी देश में कपड़ा इकाइयों के बंद होने के बाद बांग्लादेशी मजदूर भारत आ रहे हैं।

क्यों भागकर असम आ रहे बांग्लादेशी?

सरमा के मुताबिक,असम और भारत में घुसपैठ में भारी इजाफा हुआ है। दो दिन पहले, मैंने पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों में अपने समकक्षों और पश्चिम बंगाल सरकार के साथ भी इस पर चर्चा की थी। हर दिन, असम पुलिस 20 से 30 घुसपैठियों का पता लगा रही है और त्रिपुरा में भी इतनी ही संख्या में घुसपैठिए देखे जा रहे हैं। इसलिए जब हमने यह जानने की कोशिश की कि ऐसा क्यों हो रहा है,तो हमने पाया कि बांग्लादेश में अशांति के बाद,कपड़ा उद्योग लगभग ध्वस्त हो गया है। इसलिए, जो मजदूर पहले बांग्लादेश में कपड़ा उद्योग में काम करते थे, वे भारत आ रहे हैं और हमारे देश के कई कपड़ा कारखाने के मालिक इसे प्रोत्साहित कर रहे हैं, अवैध रूप से सस्ते श्रम को आयात करने के लिए अच्छी रकम दे रहे हैं।मुंबई पुलिस ने अवैध बांग्लादेशियों पर अभियान चलाकर पिछले 15 दिनों में शहर के मुस्लिम बहुल इलाकों, गोवंडी, शिवाजी नगर, मानखुर्द, देवनार, चूनाभट्टी और घाटकोपर से 36 बांग्लादेशीनागरिकों को गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों में कई ऐसे लोग भी हैं जो 10 से 15 सालों से मुंबई में रह रहे थे। पुलिस ने इन घुसपैठियों के पास से बर्थ सर्टिफिकेट, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों को बरामद किए. जांच में सामने आया कि ये सभी दस्तावेज फर्जी थे।

यौन शोषण मामले में आसाराम को राहत

» सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

» आसाराम को मेडिकल ग्राउंड पर मिली बेल

» सुप्रीम कोर्ट ने दी आसाराम को बेल

» समर्थकों से मिलने की नहीं होगी इजाजत

नई दिल्ली,07 जनवरी 2025 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम बापू को 2013 के रेप केस मामले में जमानत दे दी है। उसे यह बेल मेडिकल ग्राउंड पर दी गई है। हालांकि इस दौरान उसे समर्थकों से मिलने की इजाजत नहीं है।

शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आसाराम सबूत से छेड़छाड़ की कोशिश नहीं करेगा और ही किसी समर्थक से मिलेगा। जस्टिम एमएम सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने यह आदेश जारी किया।

बीमारियों का दिया हवाला

अदालत ने कहा कि 86 वर्षीय आसाराम हृदय रोग के अलावा उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हैं। गांधीनगर कोर्ट द्वारा 2023 में दी गई आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ आसाराम ने शीर्ष अदालत में अपील की थी।

अब भगोड़ों की खैर नहीं

» अमित शाह ने लॉन्च किया भारतपोल पोर्टल

नई दिल्ली,07 जनवरी 2025 (ए)। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार (07 जनवरी) को सीबीआई द्वारा तैयार किये गए भारतपोल पोर्टल को लॉन्च किया। सीबीआई द्वारा तैयार भारतपोल पोर्टल सभी राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों के बीच विदेश में बैठे अपराधियों को ढूंढकर लाने की कार्रवाई का रियल टाइम जानकारी साझा करना सुनिश्चित करेगा।

दरअसल विदेश में रहने वाले वांछित अपराधियों को ढूंढने के लिए इंटरपोल से नोटिस जारी करना होता है। भारत में इंटरपोल की इकाई के रूप में सीबीआई काम करती है। इसीलिए सभी राज्यों, केंद्र प्रदेशों और केंद्रीय एजेंसियों को वांछित अपराधियों को ढूंढने के लिए सीबीआइ के मार्फत इटरपोल तक पहुंचना होता है।

पत्रों,ईमेल,फैक्स की झंझट होगी समाप्त

केंद्र, राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों के स्तर पर यह समन्वय इंटरपोल लाइजन ऑफिसर के माध्यम से किया जाता है, जो अपने-अपने संगठनों में पुलिस अधीक्षकों, पुलिस आयुक्तों और शाखा प्रमुखों से जुड़े होते हैं। वर्तमान में सीबीआई, आइएलओ और यूनिट आफिसर्स के बीच संवाद मुख्य रूप से पत्रों, ईमेल और फैक्स के जरिये होता है।

भारतपोल पोर्टल अब इन झंझटों से मुक्ति दिला देगा और रियल टाइम पर सारी जानकारी साझा हो सकेगी।

नहीं हो सकता ईवीएम हैक,मतदाता सूची की जानकारी भी हर पार्टी को दी जाती है:मुख्य चुनाव आयुक्त

नई दिल्ली,07 जनवरी 2025 (ए)। भारतीय निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। दिल्ली में पांच फरवरी को मतदान होगा और आठ फरवरी को नजीते आएंगे।

चुनाव की तारीखों के ऐलान के दौरान राजीव कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि युवा लोकतंत्र में भागीदारी बढ़ाते रहें। लोकसभा चुनाव में नया रिकॉर्ड बना है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में भी लोकतंत्र मजबूत होता रहेगा। उन्होंने मतदाता सूची में गलत एंट्री के आरोपों पर कहा कि इस तरह के आरोपों को सुनकर दुख होता है। ये ईवीएम चुनाव है। मतदाता सूची में नाम काटने की शिकायत की गई है। मतदाता सूची की जानकारी भी हर पार्टी को दी जाती है।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि धीमी मतगणना को लेकर आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा भी कई सवाल उठाए गए हैं। हम सभी सवालों का जवाब देंगे। पारदर्शिता ही हमारी प्राथमिकता है।ईवीएम के साथ छेड़छाड़ को लेकर उन्होंने कहा कि ईवीएम से छेड़छाड़ की बात में दम नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि ईवीएम मशीन को हैक नहीं किया जा सकता है। इसके बाद भी ईवीएम पर शक जताने का प्रयास किया गया। चुनाव से एक हफ्ते पहले ईवीएम तैयार हो जाती है। पोलिंग एजेंटों के सामने ईवीएम मशीन सील होती है। वोटिंग समाप्त होने के बाद ईवीएम सील की जाती है। ईवीएम की प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी है।इसके अलावा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि ईवीएम फुलप्रूफ डिवाइस है। ईवीएम में किसी तरह का वायरस नहीं आ सकता। चुनाव में पारदर्शिता हमारी प्राथमिकता है। ईवीएम में अवैध वोट की संभावना नहीं है।राजीव कुमार ने काव्यात्मक ढंग से सामान्य आरोप न लगाने की अपील की।

संपादकीय

होंडा और निसान के विलय

होंडा और निसान के विलय का फैसला विश्व कार बाजार के तेजी से बदले रूप की एक मिसाल है। बदलाव के कारण हैः कार उपभोक्ताओं के बीच ईवी की बढ़ी मांग और ईवी के बाजार में चीनी कंपनियों का छा जाना। कभी होंडा और निसान कंपनियां कार बाजार का ज्यादा हिस्सा हासिल करने के लिए एक दूसरे से होड़ करती थीं। लेकिन अब इन दोनों जापानी कंपनियों ने आपस में विलय का एलान किया है। यह असाधारण घटना है। असल में यह विश्व कार बाजार के तेजी से बदले रूप की एक मिसाल है। इस परिवर्तन के दो प्रमुख आयाम हैः कार उपभोक्ताओं के बीच इलेक्ट्रिक से चलने वाली कारों (ईवी) की तेजी से बढ़ी मांग और ईवी के बाजार में चीन की कंपनियों- खासकर बीवाईडी का छा जाना।पांच साल पहले शायद ही ये कोई सोचता था कि निम्न श्रेणी की मैनुफैक्चरिंग से आगे बढ़ते हुए चीन कार के बाजार पर भी अपना दबदबा बनने लगेगा। लेकिन आज ऐसा हो चुका है। इससे जर्मनी और जापान की कार निर्माता तमाम बड़ी कंपनियां अपने को दबाव में महसूस कर रही हैं। इन कंपनियों की महारत पेट्रोल/ डीजल/ गैस से चलने वाली कारों के निर्माण में रही है। मगर विश्व बाजार में ऐसी कारों की मांग तेजी से घटी है। ईवी के क्षेत्र में इन कंपनियों ने प्रगति की है, लेकिन कीमत के मोर्चे पर वे पिट रही हैं। चीनी कारें उनकी तुलना में इतनी सस्ती हैं कि स्वाभाविक रूप से खरीदार उनकी तरफ खिंच जाते हैं। नतीजतन, जर्मनी की कंपनी फॉक्सवागन की मुसीबत की खबरें सुर्खियों में रही हैं।यही हाल जापान और दक्षिण कोरियाई कंपनियों का है। चीन का बड़ा बाजार तेजी से उनके हाथ से निकला है। अमेरिका और यूरोप में आयात शुल्क में भारी बढ़ोतरी कर सरकारों ने उन कंपनियों की मदद की है, लेकिन यह काफी साबित नहीं हुआ है। विलय की रणनीति भी शायद नाकाफी ही हो। होंडा ने कहा है कि विलय का लाभ 2030 से पहले नहीं मिलेगा। लेकिन तब तक तकनीक और आगे निकल चुकी होगी। असल सवाल यह है कि मूल्य प्रतिस्पर्धा में चीनी कंपनियों को मिले लाभ का जवाब जब तक ये कंपनियां नहीं ढूंढतीं, ऐसे उपाय अपर्याप्त बने रहेंगे। अभी तो विलय प्रस्ताव को शेयर धारकों से मंजूरी दिलाने और विलय के परिणामस्वरूप श्रमिकों की छंटनी आदि जैसी बड़ी चुनौतियों से निपटना ही बाकी है।

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरसः फिर से चिंता में डूबी दुनिया

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस, न्यूमोविरिडे परिवार का हिस्सा है, यह एक श्वसन वायरस है जो हल्की सर्दी से लेकर निमोनिया और ब्रोंकियोलाइटिस जैसे गंभीर फेफड़ों के संक्रमण तक की बीमारियों का कारण बनता है। हालाँकि फ्लू या रेस्पिरेटरी सिन्सिटियल वायरस की तुलना में कम पहचाना जाने वाला, ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस दुनिया भर में श्वसन सम्बंधी बीमारियों का एक महत्त्वपूर्ण कारण है, खासकर सर्दियों और वसंत के दौरान। यह वायरस विशेष रूप से कमज़ोर आबादी जैसे कि छोटे बच्चों, बुज़ुर्गों, गर्भवती महिलाओं और कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा करता है। यह वायरस उनके लिए बड़ी मुश्किलें पैदा कर सकता है, इसलिए जागरूकता बढ़ाना और निवारक क़दम उठाना महत्त्वपूर्ण है। शिशु और छोटे बच्चे विशेष रूप से ब्रोंकियोलाइटिस और निमोनिया जैसी गंभीर श्वसन स्थितियों के प्रति संवेदनशील होते हैं।

बड़े वयस्क 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्ति, साथ ही अस्थमा या सीओपीडी जैसी पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों में जटिलताएँ होने की संभावना अधिक होती है। गर्भावस्था के दौरान एचएमपीवी के कारण श्वसन सम्बंधी समस्याएँ हो सकती हैं, जो माँ और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य को खतरे में डाल सकती हैं। जिन लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमज़ोर होती है, चाहे वे किसी चिकित्सा स्थिति या कीमोथेरेपी जैसे उपचार के कारण हों, उनमें गंभीर लक्षण होने का जोखिम अधिक होता है। चीन में एचएमपीवी के हाल ही में हुए प्रकोप ने इस वायरस की संभावित गंभीरता को उजागर किया है, खासकर कमज़ोर समूहों में। ज़्यादातर संक्रमण 14 साल से कम उम्र के बच्चों में हुआ, जिनमें से कई मामलों में उनकी गंभीरता के कारण अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता पड़ी। लक्षणों में लगातार खांसी और बुखार से लेकर ब्रोंकियोलाइटिस और निमोनिया जैसी अधिक गंभीर स्थितियाँ शामिल हैं। अन्य श्वसन सम्बंधी बीमारियों से इसकी समानता निदान और उपचार को जटिल बनाती है।

इसके प्रसार को रोकने के लिए, चीन में स्वास्थ्य अधिकारियों ने हाथ धोने, मास्क पहनने और समय पर जाँच जैसे निवारक उपायों पर ज़ोर दिया हैं। वयस्कों में एचएमपीवी के लक्षण अक्सर सामान्य सर्दी या फ्लू जैसे होते हैं। इनमें,लगातार खांसी, अक्सर बलगम उत्पादन शामिल हैं। नाक बंद होना या नाक बहना, बुखार, आमतौर पर हल्का से मध्यम थकान और शरीर में सामान्य दर्द, गले में खराश, गंभीर मामलों में सांस लेने में तकलीफ शामिल हैं। बच्चों में गंभीर लक्षण होने की संभावना अधिक होती है. ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस अत्यधिक

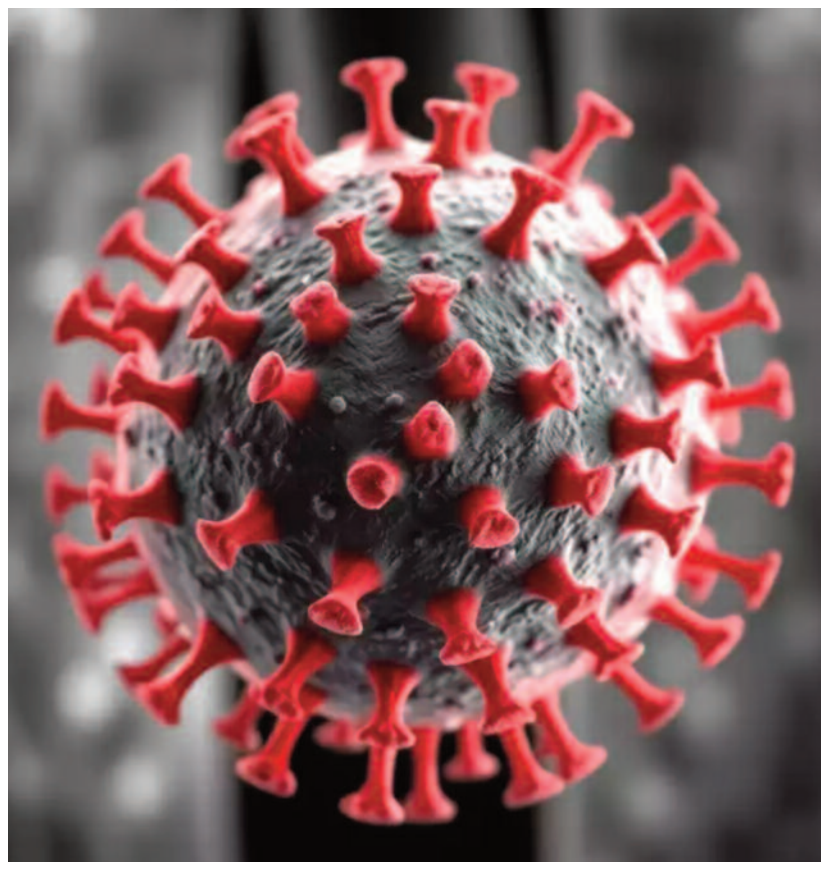

संक्रामक है और विभिन्न माध्यमों से फैलता है। वायरस तब फैल सकता है जब कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता, छींकता या बात करता है, जिससे श्वसन की बूंदें हवा में फैलती हैं। वायरस संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक संपर्क के माध्यम इुसे फैल सकता है, खासकर अगर कोई उनके चेहरे, आंखों या मुंह को छूता है। वायरस सतहों पर बना रह सकता है और दूषित वस्तुओं जैसे कि दरवाजे की कुंडी या मोबाइल डिवाइस को छूने से संक्रमण का ख़तरा बढ़ जाता है। छोटे श्वसन कण हवा में निलंबित रह सकते हैं, खासकर भीड़भाड़ वाली या खराब हवादार जगहों पर। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के लक्षण अन्य श्वसन संक्रमणों से मिलते-जुलते हैं, जिससे सटीक निदान विशिष्ट प्रयोगशाला परीक्षणों पर निर्भर करता है। यह आणविक परीक्षण उच्च सटीकता के साथ वायरस की आनुवंशिक सामग्री का पता लगाता है और इसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के निदान के लिए स्वर्ण मानक माना जाता है। रैपिड एंटीजन टेस्ट जल्दी परिणाम देते हैं लेकिन पीसीआर टेस्ट की तुलना में कम संवेदनशील होते हैं। अधिकांश लोग बिना किसी जटिलता के लगभग 7 से 10 दिनों में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस से ठीक हो जाते हैं। हालाँकि, कुछ समूहों को गंभीर जटिलताओं का अधिक जोखिम होता है। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस वायरल निमोनिया का कारण बन सकता है, जिसके गंभीर मामलों में अस्पताल में भर्ती होने और गहन देखभाल की आवश्यकता होती है। शिशुओं और छोटे बच्चों को अक्सर वायुमार्ग में सूजन और रुकावट का अनुभव होता है, जिससे सांस लेने में कठिनाई और घरघराहट होती है। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस अस्थमा या क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज जैसी मौजूदा श्वसन स्थितियों को खराब कर सकता है। ये संक्रमण, जैसे कि बैक्टीरियल निमोनिया, कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली के कारण जटिलताओं के रूप में विकसित हो सकते हैं। गर्भावस्था के दौरान ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के कारण होने वाली श्वसन सम्बंधी समस्याएँ मातृ और भ्रूण के स्वास्थ्य को जोखिम में डाल सकती हैं। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस में कोई विशिष्ट एंटीवायरल दवा नहीं है। उपचार का मुख्य उद्देश्य लक्षणों का प्रबंधन करना और जटिलताओं को रोकना है। ठीक होने और ताकत बनाए रखने के लिए आवश्यक है। एसिटामिनोफेन या इबुप्रोफेन जैसी दवाएँ बुखार और शरीर के दर्द को नियंत्रित कर सकती हैं। गंभीर मामलों में, पूरक ऑक्सीजन या मैकेनिकल वेंटिलेशन की आवश्यकता हो सकती है। निमोनिया जैसी जटिलताओं वाले रोगियों को अस्पताल में बारीकी से निगरानी की आवश्यकता हो सकती है। एचएमपीवी को रोकने के लिए, निवारक उपायों पर ध्यान देना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि वर्तमान में कोई टीका उपलब्ध नहीं है। संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए, इन उपायों का पालन करें। अपने हाथों को कम से कम 20 सेकंड तक साबुन और पानी से धोएँ। जब साबुन और पानी उपलब्ध न हो तो अल्कोहल-आधारित हैंड सैनिटाइज़र का उपयोग करें। ऐसे व्यक्तियों से दूर रहें जिनमें श्वसन सम्बंधी बीमारी के लक्षण दिखाई देते हैं। प्रकोप के दौरान भीड़-भाड़ वाले इलाकों से बचें। नियमित रूप से उन सतहों को साफ़ करना सुनिश्चित करें जिन्हें अक्सर छुआ जाता है, जैसे कि दरवाज़े के हैंडल, फ़ोन और काउंटरटॉप। प्रकोप या फ़्लू के मौसम के दौरान मास्क पहनने से श्वसन बूंदों के संपर्क को कम करने में मदद मिल सकती है। यदि आपको कोई लक्षण है, तो वायरस के प्रसार को रोकने के लिए घर पर रहना महत्त्वपूर्ण है। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरसऔर इसके संभावित प्रभाव के बारे में जागरूक होना शुरुआती पहचान और रोकथाम के लिए महत्त्वपूर्ण है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

मानव,गिरि-कानन,सिंधु कर रहे धरा की सवारी

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा, उत्तरप्रदेश

लेख का शीर्षक पाठक को आश्चर्यचकित कर रहा होगा कि आखिर हम मनुष्य, पहाड़, जंगल, पशु-पक्षी, विशाल महासागर और अन्यान्य छोटे-बड़े जीव-जंतु धरती की सवारी कैसे कर सकते हैं ? और यदि हम सवारी कर रहे हैं तो यह धरती हमें गति करते हुए दिखती क्यों नहीं और हम गतिमान पृथ्वी पर सवारी करते हुए स्थिर होकर दैनंदिन कार्य-व्यवहार सहजता पूर्वक कैसे सम्पन्न कर लेते हैं। और धरती हमें कहीं और क्यों नहीं ले जाती या हमारे घर-परिवार, पड़ोस मकान आदि की भौगोलिक स्थितियां परिवर्तित क्यों नहीं होतीं? उत्तर है क्योंकि हम सभी पृथृवी के साथ-साथ घूम रहे हैं। सामान्य तौर पर व्यक्ति, जीव-जंतु या वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने हेतु सवारी साधन का प्रयोग किया जाता है। दरअसल सवारी का अर्थ किसी चलित वस्तु से है, इस अर्थ में देखें तो हमारी पृथ्वी अपने जन्म काल से लगातार चल रही है और हम सभी उस पर सवार हैं। पर हमें यह कैसे पता चला कि पृथ्वी चल रही है। यह जानकारी समाज तक पहुंचाने का श्रेय जाता है लियोन फौकॉल्ट को। कौन है यह महनीय व्यक्तित्व और इसने क्या किया था, आईए उनके योगदान को जानते हैं।

फ्रांसीसी भौतिक विज्ञानी ज़ीन बर्नाड लियोन फौकॉल्ट ने 8 जनवरी, 1851 को अपने उपकरण एक खास प्रकार के पेंडुलम के माध्यम से पहली बार पृथ्वी के अपने अक्ष में घूमने का सफल प्रयोग करके दुनिया को दिखाया। उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को स्मरण रखने हेतु प्रत्येक वर्ष 8 जनवरी को पृथ्वी घूर्णन दिवस या अर्थ रोटेशन डे मनाया जाता है ताकि आने वाली पीढ़ियां लियोन फौकॉल्ट के महान योगदान से परिचित हो श्रद्धा व्यक्त कर सकें। हालांकि इसके पूर्व भी बहुत सारे विज्ञानियों ने इस सम्बंध में कुछ प्रयोग किए थे पर वह पूर्णता तक नहीं पहुंच पाए थे। यदि हम भारतीय संदर्भ की बात करें तो

आर्यभट्ट ने सर्वप्रथम पृथ्वी के गोलाकार होने तथा अपने अक्ष (धुरी) पर घूर्णन करने के बारे में बताया था। पृथ्वी का अक्ष एक काल्पनिक रेखा या बिंदु है जिस पर पृथ्वी 66म1/2 डिग्री का कोण बना पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर घूर्णन करती है। पृथ्वी अपने अक्ष पर घूर्णन करते हुए लगभग 24 घंटे (23 घंटे 56 मिनट एवं 44 सेकेंड) में एक चक्कर पूरा करती है। इसी घूर्णन गति के कारण हम पृथ्वी पर दिन और रात का अनुभव करते हैं। पृथ्वी की अपने अक्ष पर घूर्णन गति 1674 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। घूर्णन गति के अलावा पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा भी करती है जिससे पृथ्वी पर ऋतुओं में बदलाव होता है। सूर्य की एक परिक्रमा करने में पृथ्वी को 365 दिन 6 घंटे 4 सेकंड का समय लगता है। सवाल उभरता है कि इतनी तीव्र गति से घूर्णन करने वाली पृथ्वी पर हम स्थिर कैसे हैं? सामान्यतः कह सकते हैं कि पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति सभी को अपनी ओर खींचें रहती है। यदि ऐसा न होता तो पृथ्वी पर कुछ भी स्थिर नहीं होता। उपग्रह राकेट आदि प्रक्षेपण के लिए पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति से बाहर निकलना आवश्यक होता है जिसे पलायन वेग कहा जाता है जोकि 11.186 किमी प्रति सेकेंड है। पृथ्वी सौर परिवार का सूर्य से तीसरा ग्रह है जिसके 71 प्रतिशत भाग पर जल तथा 29 प्रतिशत भूमि भाग है। यह 71 प्रतिशत का 99 प्रतिशत जल खारे पानी के रूप में महासागरों में है। केवल 1 प्रतिशत मीठा जल ग्लेसियर, झीलों, नदियों, तालाबों और कुओं में उपलब्ध है। पृथ्वी पर जल की उपलब्धता द्रव, गैस और ठोस रूप में है। 1972 में अंतरिक्ष यान अपोलो-17 ने अंतरिक्ष से पृथ्वी का एक संपूर्ण चित्र लिया था जिसे ब्लू मार्बल के नाम से जाना जाता है, तभी से पृथ्वी को नीला ग्रह भी कहा जाने लगा है। पृथ्वी में 78त्र नाइट्रोजन गैस और 21 प्रतिशत ऑक्सीजन गैस की उपलब्धता है शेष भाग में कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड तथा अक्रिय गैस और जलवाष्प है। यदि हम पृथ्वी की विषुवतीय त्रिज्या की बात करें तो यह 6378.1 किमी तथा ध्रुवीय त्रिज्या 6356.8 किमी है क्योंकि पृथ्वी उत्तरी एवं दक्षिणी ध्रुवों पर गोलाकार न होकर आंशिक चपटी है। सूर्य का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी को अंतरिक्ष में टिकाए हुए है।

वास्तव में पृथ्वी सभी प्राणियों एवं वनस्पतियों का आश्रय स्थल है। वह सम्पूर्ण चराचर जगत् को धारण करने वाली धरा है। वह नाना विधियों से जीव-जंतुओं का पोषण करने वाली माता है, इसीलिए भारतीय वांग्मय में मनुष्य ने स्वयं को उसकी सन्तान स्वीकार कर माता के रूप में अर्चना आराधना करते हुए माता भूमिः पुत्रोहं पृथ्वियाः कहा है। धरती रत्नों की खान है इसलिए वह रत्नगर्भा है। वह षटरस से युक्त है। वह सुगंधा है, मेघों को आकर्षित करने वाली है। अपनी पीठ पर गिर कानन को स्थान दे समस्त जीव-जंतुओं के लिए भोजन और औषधियों को प्रदान करने वाली ममतायुक्त वत्सला मां है। वह चिर शांति स्थिर प्रज्ञा है। वह सहनशक्ति और धैर्य की पराकाष्ठा का अंतिम बिंदु है। धरा स्वधर्म पालन एवं व्यवहार में मौन तपस्यारत साधिका है। पर मानव के लालच ने ऊँचे पहाड़ खोदकर विशाल गड्ढे बना दिए। सदानीरा नदियों का वक्षस्थल चीरकर बालू की अंतिम परत तक निकाल ली। जलद मीत कानन मानव तृष्णा की भेंट चढ़ गये। फलतः पृथ्वी का अक्षीय संतुलन अस्थिर हो रहा है जिसका असर उसकी घूर्णन गति पर पड़ रहा है। विज्ञानी चिंतित हैं और हम ? विचार करें पृथ्वी है तो हम हैं, हमारी खुशियां है और है अनेकानेक जीव-जंतुओं का सान्निध्य-साहचर्य। पृथ्वी मां है, अपनी संतान के जीवन निर्वाह के लिए वह दोनों हाथ उदारमना हो उपहार बांट रही है। हम पृथ्वी मां की सेवा साधना करें, विनाश नहीं।

महान वैज्ञानिक के जन्म दिन पर विशेष

महान वैज्ञानिकःस्टीफन विलियम हॉकिंग

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

स्टीफन हॉकिंग का जन्म 8 जनवरी 1942 को ऑक्सफोर्ड में फ्रैंक और इसाबेल एलेन हॉकिंग (नी वाकर; 1 915-2013) के घर हुआ था। हॉकिंग की मां का जन्म ग्लासगो, स्कॉटलैंड में डॉक्टरों के परिवार में हुआ था। यॉर्कशायर के उनके अमीर पैतृक दादाजी थे और फिर 20 वीं शताब्दी की शुरुआत में उनके पैतृक दादी ने परिवार को अपने घर में एक स्कूल खोलकर अपने परिवार की वित्तीय बाधाओं के बावजूद, दोनों माता-पिता ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में भाग लिया, जहां फ्रैंक ने दवा पढ़ी और इसाबेल ने दर्शनशास्त्र, राजनीति और अर्थशास्त्र पढ़ा। इसाबेल एक मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के सचिव के रूप में काम करती थी, और फ्रैंक एक चिकित्सकीय शोधकर्ता । हॉकिंग की दो छोटी बहनें, फिलीपा और मैरी और भाई एडवर्ड फ्रैंक डेविड (1955-2003) था।

जब वो 21 साल के थे तो एक दिन सीढियों से उतरते समय वे बेहोश हो गए. शुरू में डॉक्टर ने इसे कमजोरी के कारण होने वाली साधारण सी बेहोशी बताया लेकिन बार बार ऐसा होने पर ठीक से चेक अप करवाने पर पता चला की वह एक ऐसी बीमारी के शिकार है जो कभी ठीक नही हो सकती. उन्हें को एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस नामक एक बीमारी है जिसमे धीरे-धीरे शरीर के सारे अंग काम करना बंद कर देते है और अंत में श्वास नली भी बंद हो जाती है और व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है.

डॉक्टर ने हॉकिंग को 2-4 साल का महमान बताया. यानि जल्द ही उनके शरीर के सारे अंग काम करना बंद कर देंगे. उसी समय हॉकिंग ने कहा की वह 50 साल अभी और जियेंगे. इस बात पर उनके सभी दोस्तों ने उनका दिल रखने के लिए उनकी हां में हां मिला दिया क्योकि वो भी हॉकिंग की इच्छा शक्ति को पहचान नही पाए थे. पूरे संसार के वैज्ञानिक लोग उनके निधन का समाचार सुनकर शोकाग्रस्त हो गये.सन् 1959 में वेउच्चतर अध्ययन के लिये युनिवर्सिटी कॉलेज ऑक्सफोर्डगये. उनकी हार्दिक इच्छा गणित पढ़ने की थी, ÷मैं अभी और जीना चाहता हूँ÷ ये शब्द है वैज्ञानिक हॉकिंग के जिन्होंने अपने 70वें जन्मदिन पर यह इच्छा जाहिर की. क्या आप जानते है इनकी उम्र डॉक्टर्स ने ज्यादा से ज्यादा 25 साल बताई थी. दरअसल हॉकिंग बचपन से ही बहुत तेज दिमाग के थे और अपनी बात को लोगो तक पहुचाने में भी बहुत कामियाब थे और उस समय वह मैथ जैसे सब्जेक्ट में बहुत रूचि रखते थे. फिर बाद में उन्होंने फिजिक्स को चुना और ऑक्सफ़ोर्ड युनिवेर्सिटी से पी.एच.डी. पूरी की .

हॉकिंग ने जो कहा वो कर दिखाया और उस बीमारी के साथ ही उन्होंने अपनी पी.एच.डी. पूरी की और शादी भी की, तब तक उनके शरीर के दाहिने हिस्से ने काम करना बंद कर दिया था लेकिन यह वो समय था जब उन्होंने विज्ञानं की दुनिया में कदम रखा तो अपने शोधो से दुनिया में प्रसिद्ध होने लगे. धीरे धीरे शरीर ने साथ देना छोड़ दिया. लेकिन दिमाग पूरी तरह से एक्टिव रहा और वो रुके नही.जीवन दुर्भाग्यपूर्ण होगा यदि ये अजीब और रोचक भरा ना हो तो.अगर आप हमेशा नाराज़ रहेंगे एवं कोसते ही रहेंगे तो किसी के पास आपके लिए टाइम नहीं होगा,मेरे जीवन का लक्ष्य बहुत ही आसाना है और ये लक्ष्य इस ब्रह्मांड को समझना है और ये पता लगाना है कि ये ऐसा क्यों है और ये क्यों हैं.अज्ञानता दुश्मन नहीं हैं, जबकि दुश्मन वो भ्रम हैं जो ये कहे कि आपको सब कुछ आता हैं.

1 9 50 में, जब हॉकिंग के पिता नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल रिसर्च में पैरासिटोलॉजी के प्रमुख बने, तो उनका परिवार सेंट अल्बान, हर्टफोर्डशायर चला गए। सेंट अल्बान में, उनके परिवार को बहुत बुद्धिमान , विलक्षण माना जाता था; उनके परिवार में अक्सर चुपचाप पुस्तक पढ़ने के साथ भोजन करते थे । वे एक बड़े, अव्यवस्थित और खराब रखरखाव वाले घर में

मितव्ययी रहते थे और लंदन टैक्सीकैब में यात्रा करते थे। अफ्रीका में काम कर रहे हॉकिंग के पिता की अनुपस्थिति के दौरान, शेष परिवार ने मार्जर्का में चार महीने उनकी मां के दोस्त बेरेल और उनके पति, कवि रॉबर्ट ग्रेव्स के घर पर थे. जिस वक्त हॉकिंग का जन्म हुआ था उस वक्त दुनिया में द्वितीय विश्व युद्ध चल रहा था. उन्होंने प्राकृतिक विज्ञान (नेचुरल साइंस) नामक विषय को अपने अध्ययन के लिये चुना. इस कॉलेज से प्रथम श्रेणी मेंऑनर्स की डिग्री प्राप्त करने के बाद वे कॉस्मोलौजी में शोधकरने के लिये सन 1962 में कौम्ब्रिज युनिवर्सिटी चले गये.सन 1965 में उन्होंने 'प्रसारशील ब्रह्माण्ड के गुण (प्रोपर्टीजऑफ एक्सेवैडिंग युनिवर्स)' नामक विषय पर अपना शोधप्रबन्ध (थीसिस) युनिवर्सिटी में जमा किया जिसके आधारपर उन्हें पी.एच.डी. की डिग्री प्रदान की गयी. एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस बीमार होने के बावजूद भी उन्होंने अपनी पढ़ाई को पूरा किया और साल 1965 में उन्होंने अपनी पीएचडी की डिग्री हासिल की. पीएचडी में इनके थीसिस का शीर्षक 'प्रॉपर्टीज ऑफ एक्सपांडिंग यूनिवर्स' था. सन् 1985 में वे घातक रोग न्यूमोनिया से ग्रस्त हो गये जिसके कारण उनकी बोलने की क्षमता समाप्त हो गयी.जिस साल स्टीफन को अपनी बीमारी के बारे में पता चला उसी साल उनकी मुलाकात अपनी पहली पत्नी यानी जेन वाइल्ड हुई थी. हॉकिंग के इस बुरे वक्त में जेन ने उनका साथ दिया और साल 1965 में इन्होंने शादी कर ली. जेन और हॉकिंग के कुल तीन बच्चे थे और इनके नाम रॉबर्ट, लुसी और तीमुथियस है.हॉकिंग की ये शादी 30 सालों तक चली थी और साल 1995 में जेन और हॉकिंग ने तलाक ले लिया था. तलाक लेने के बाद हॉकिंग ने ऐलेन मेसन(श्ध्ड्डद्बठ्ठद्ग स्र्ड्ढह्यश्ठ्ठ) से विवाह कर लिया था और साल 1995 में हुई ये शादी साल 2016 तक ही चली थी.कैम्ब्रिज से अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भी हॉकिंग इस कॉलेज से जुड़े रहे और इन्होंने एक शोधकर्ता के रूप में यहां कार्य किया. इन्होंने साल 1972 में डीएएमटीपी में बतौर एक सहायक शोधकर्ता अपनी सेवाएं दी और इसी दौरान इन्होंने अपनी पहली अकादमिक पुस्तक, 'द लाज स्केल स्ट्रक्चर ऑफ स्पेस-टाइम' लिखी थी. यहां पर कुछ समय तक कार्य करने के बाद साल 1974 में इन्हें रॉयल सोसायटी (फैलोशिप) में शामिल किया गया. जिसके बाद इन्होंने साल 1975 में डीएएमटीपी में बतौर गुरुत्वाकर्षण भौतिकी रीडर के तौर पर भी कार्य किया और साल 1977 में गुरुत्वाकर्षण भौतिकी के प्रोफेसर के रूप में भी यहां पर अपनी सेवाएं दी. वहीं इनके कार्य को देखते हुए साल 1979 में इन्हें कैम्ब्रिज में गणित के लुकासियन प्रोफेसर (स्नह्वष्ड्डह्यद्बड्डठ्ठ क्कह्म्शद्बद्गह्यह्यशह्म्) नियुक्त किया गया था, जो कि दुनिया में सबसे प्रसिद्ध अकादमी पद है और इस पद पर इन्होंने साल 2006 तक कार्य किया.स्टीफन हॉकिंग को उनके योगदान के लिए इन्हें कई अवार्ड दिए गए हैं.साल 1985 में हॉकिंग को आरएएस गोल्ड मेडल और साल 1987 डिराक मेडल ऑफ द इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल भी दिया गया था. इसके बाद सन् 1988 में इस महान वैज्ञानिक को वुल्फ पुरस्कार भी दिया गया था.प्रिंस ऑफ अस्टुरियस अवार्ड भी हॉकिंग ने साल 1989 में अपने नाम किया था. इस अवार्ड को मिलने के कुछ समय बाद इन्होंने एंड्रयू जेमेंट अवार्ड (1998), नायलोर पुरस्कार और लेक्चरशिप (1999) भी दिया गया था.साल 1999 में जो अगला पुरस्कार इन्हें मिला था उसका नाम लिलाइनफेल्ड पुरस्कार (स्नद्बद्यद्गठ्ठद्घद्गद्यस्र क्कह्द्ब5द्ग) था और रॉयल सोसाइटी ऑफ आर्ट की तरफ से इसी साल इन्हें अल्बर्ट मेडल भी दिया गया था.

अवार्ड के अलावा इन्होंने कोप्ले मेडल (2006), प्रेसिडेंटियल मेडल ऑफ फ्रीडम (2009), फंडामेंटल फिजिक्स प्राइज (2012) और बीबीवीए फाउंडेशन फ्रंटियर्स ऑफ नॉलेज अवार्ड (2015) भी दिया गया हैं.प्रोफेसर स्टीफन हॉकिंग ने ब्रह्मांड को नियंत्रित करने वाले बुनियादी लॉ पर कई शोध किए हैं. हॉकिंग ने अपने साथी रोजर पेनरोस के साथ मिलकर एक शोध किया था और दुनिया को बताया था अंतरिक्ष और समय, ब्रह्मांड के जन्म के साथ शुरू हुए हैं और ब्लैक होल के भीतर समाप्त होंगे.आइंस्टीन की थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी और क्वांटम थ्योरी का प्रयोग करके, हॉकिंग ने ये भी निर्धारित किया कि ब्लैक होल पूरी तरह से शांत नहीं हैं बल्कि उत्सर्जन विकिरण करता है.इसके अलावा हॉकिंग ने ये भी प्रस्ताव किया था कि ब्रह्मांड की कोई सीमा नहीं है और विज्ञान की मदद से ये भी पता किया जा सकता है कि ब्रह्माण्ड की शुरूआत कब हुई थी और कैसे हुई थी.

कविता

कोशिश कर साहस कर

घटती-घटना

अशोक पटेल
तुस्मा शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

कोशिश कर साहस कर,
कुछ तो तू दुःसाहस कर,
तू ही हौसलों की खान है
हौसले ही तेरी पहचान है।
तेरी बाजुओं में ताकत है
तुझमें ही ये हिमाकत है,
तुझसे होगी ऊँची उड़ान है
तुझमे जज्बा और जान है।
तू समंदर की गहराई नापेगा
आसमान की ऊँचाई जायेगा
कदमो में होंगे सारा जहान है
तेरी धरती, तेरा आसमान है।
तेरे इरादे पर्वत सा अटल हो
महा वसुंधरा सा तू अचल हो,
इसी से होगा तेरा सम्मान है
इसी में ही तेरा स्वाभिमान है।
मंजिल दूर नही,तेरे पास है
तेरे अंदर ही भरा विस्वास है,
मत समझ अब तू नादान है
तेरे अंदर ही अशोक महान है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

नगर गिगम का कार्यकाल खत्म,महापौर ने गिनाई उपलब्धियां

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

नगर निगम अंबिकापुर के कार्यकाल का 7 जनवरी को अंतिम दिन रहा। वहीं कार्यकाल के अंतिम दिन महापौर डॉ. अजय तिकी, पीडब्ल्यडी प्रभारी शफी अहमद व पेयजल प्रभारी द्वितेन्द्र मिश्रा ने निगम के महापौर कक्ष में प्रेस वार्ता आयोजित कर पत्रकारों से चर्चा की। महापौर ने 5 साल के कार्यकाल को बताया। इस दौरान उन्हों ने कहा कि अंबिकापुर के जनता ने 10 साल सेवा करने का मौका दिया है। उम्मिद है कि यहां की जनता आगे भी आर्शीवाद देगी और सेवा करेंगे। उन्होंने बताया कि 38 करोड़ की लागत से डामरीकरण का कार्य कराया जा रहा है। जो लगभग पूरे होने के कगार पर है। कुछ डामरीकरण के कार्य चल रहे हैं। अपने कार्यकाल में मां महामाया प्रवेश द्वारा का निर्माण चुनौति था। जो पूर्ण हो चुका है। निगम के कार्यकाल के अंतिम दिन जिसका उद्घाटन सादगी रूप से पूर्जा अर्चना पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव द्वारा किया गया। क्यों कि कल ही हमारे 8 जवान नक्सली हमले में शहीद हुए हैं। इस लिए विधिवत कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया गया था। वहीं सेंट्रल लाइब्रेरी के लिए भूमि आवंटित कर ली गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसके लिए 100 करोड़ की घोषणा किए थे। लाइब्रेरी निर्माण से यहां के छात्र-छात्राओं को सुविधा मिलेगी। 5 साल के कार्यकाल से आप स्वयं संतोष हैं कि नहीं इस सवाल पर महापौर ने कहा कि काम करने की और इच्छा थी। शहर को और बढ़ाने की आवश्यकता है। ट्रांसपोर्ट नगर न बनना अफसोस रहेगा। ट्रांसपोर्ट नगर बन जाने से दुर्घटनाएं कम हो जाती। नगर निगम में 10 सालों से कांग्रेस की सरकार है। पहले कार्यकाल के दौरान प्रदेश में भाजपा की सरकार थी। वहीं निगम के दूसरे कार्यकाल में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी। इन दोनों प्रदेश के

कार्यकालों में फंडिंग के सवाल पर महापौर ने कहा कि निश्चित ही पिछले सरकार में फंडिंग की कमी रही है। जितनी राशि क ी आवश्यकता थी उतनी नहीं मिली। हालांकि बारी-बारी से अब सेंग्सन हो रहे हैं। चुनाव चुनौतिपूर्ण रहता है। इसबार भी हमलोग मजदूती से नगर निगम की चुनाव लड़ेंगे। शासन द्वारा महापौर के सीटों की घोषणा कर दी है। अंबिकापुर नगर निगम में महापौर के लिए पूर्व की तरह एसटी सीट ही रहेगा। वहीं चुनाव लडने के सवाल पर महापौर डॉ. अजय तिर्की ने बताया कि यह फैसला संगठन करेगा। पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस ङ्क्षसहदेव निर्णय लेंगे। वहीं कुछ दिन पूर्व ही एक बयान में टीएस ङ्क्षसह देव ने अंबिकापुर महापौर के लिए अच्छे उम्मीदवार तलाशने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि संगठन महापौर के लिए अच्छे उम्मीदवार तलाश रही है। हालांकि अभी तक कांग्रेस या भाजपा की ओर से महापौर सीट के लिए कौन चुनाव लड़ेगा इसकी घोषणा नहीं की गई है। नगरिय निगम चुनाव में विलंब के सवाल पर एमआईसी प्रमुख शफी अहमद ने कहा कि प्रदेश सरकार बिना किसी उचित कारण से चुनाव में विलंब कर रही है। त्रिस्तरीय पंचायती राज्य का चुनाव 5 सालों में करना अनिवार्य होता है। इससे जनता परेशान होगी। जनता अपनी समस्या जितनी असानी से अपने जनप्रतिनिधि के समक्ष रखते हैं उतने असानी से अधिकारियों के पास नहीं रख पाते हैं। बीजेपी को मन में है कि चुनाव में अपेक्षा अनुरूप परिणाम नहीं मिलेगी इस लिए विलंब कर रही है। वहीं शफी अहमद ने कहा कि हमलोगों द्वारा कई कार्य स्वीकृत कराया है। स्वीकृत कार्यो के श्रेय लेने के लिए भाजपा निगम में प्रशान बैठा रही है।

मां महामाया मंदिर प्रवेश द्वार का किया गया लोकार्पण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

मां महामाया मंदिर प्रवेश द्वार का लोकार्पण मंगलवार को पूर्व उम मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव व महापौर डॉ. अजय तिर्की द्वारा पूर्जा अर्चना कर किया गया। लोकापर्ण को लेकर भाजपा ने कई सवाल खड़े किए हैं। भाजपा का कहना है कि मां महामाया मंदिर प्रवेश द्वारा अभी पूर्ण भी नहीं हुआ है। इसके अलावा प्रदेश में नक्सली हमले में शहीद जवानों को लेकर लोकार्पण का कार्यक्रम निगम प्रशासन द्वारा स्थगित कर दिया गया था। इसके बावजूद भी पूर्व उममुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव व महापौर द्वारा आनन फानन में लोकार्पण किया गया है। क्योंकि नगर निगम का कार्यकाल 7 जनवारी को समाप्त हो जाएगा।

मां महामाया मंदिर प्रवेश द्वार का निर्माण नगर निगम द्वारा 45 लाख रुपए की लागत से कराया गया है। प्रवेश द्वार का निर्माण अभी पूरी तरह से पूर्ण नहीं हुआ है। कुछ काम अभी भी बाकी है। 7 जनवरी की दोपहर में पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव व नगर निगम के महापौर डॉ. अजय तिर्की ने पूजा अर्चना कर प्रवेश द्वारा का लोकापर्ण किया। महापौर ने कहा कि लोकापर्ण कार्यक्रम विधिवत रूप से इस लिए नहीं किया गया है कि प्रदेश में एक दिन पूर्व ही नक्सली हमले में हमारे जवान शहीद हुए हैं। इस लिए सादगी पूर्वक पूजा अर्चना कर प्रवेश द्वार का उद्धाटन किया गया है। इस दौरान पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, जिला पंचयत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण ङ्क्षसहदेव, बालकृष्ण पाठक, द्वितेन्द्र मिश्रा सहित अन्य पार्षद व शहरवासी उपस्थित थे।

भाजपा ने लोकार्पण से बनाई दूरी

मां महामाया प्रवेशद्वार के लिये महापौर की ओर से बकायदा सांसद चिंतामणि महराज, विधायक राजेश अग्रवाल सहित भाजपा के सभी वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों को लोकार्पण में आमंत्रित किया गया था। लेकिन सांसद विधायक सहित भाजपा के किसी भी नेता एवं पदाधिकारी ने इस पुनित कार्य में कोई भी सहभागिता नहीं दी। इससे पूर्व शिलान्यास के दौरान भी भाजपा के लोगों ने प्रोटोकॉल के नाम पर शिलान्यास कार्य से दूरी बनाई थी। पूरे सरगुजा आंचल की अराध्य मां महामाया के प्रवेश द्वार के लोकार्पण के इस पुनित और धार्मिक कार्य से भाजपाईयों की दूरी उनके कथित हिन्दुवादी होने पर प्रश्नचिन्ह लगाती है। कथित तौर पर भाजपाईयों ने नक्सली हमले में शहीदों के शोक की बात कह मां महामाया के प्रवेश द्वार के लोकार्पण के पुनित एवं धार्मिक कार्य पर टाईमिंग का सवाल उठाया है। ऐसे में यह सवाल भी उठता है कि भाजपाई नक्सली हमले में शहीद हुए जवानों के लिये इतने ही शोकाकुल हैं तो बीते कल को नये जिलाध्यक्ष के सम्मान में वे पूरे शहर में दिनभर आतिशबाजी क्यों कर रहे थे। कांग्रेस ने बकायदा शहीद जवानों को श्रद्घांजली अर्पित किया है। उसके उपरांत वो पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत मां महामाया प्रवेश द्वार का विधि विधान से पूजा कर लोकार्पण कर रही है।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दी गई यातायात नियमों की जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सडक़ सुरक्षा अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को जागरुकता कार्यकम चलाया गया। कार्यक्रम पीजी कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स, जिला प्रशासन और यातायात सुरक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। शहर के स्थित घड़ी चौक में यातायात जागरूकता से सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सुरक्षा सम्बन्धी उपायों पर विचार प्रेषित किए गए। इसी तरताम्य में राजीव गांधी शासकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर एनसीसी कैडेट्स ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सुरक्षा संबंधित उपायों के बारे में शहरवासियों को प्रेरित और जागरूक किया कैडेट्स ने सुरक्षा सम्बन्धी भाषण का भी वाचन किया। इस अवसर पर सरगुजा विधायक राजेश अग्रवाल के साथ-साथ कलेक्टर विलाश भोस्कर, पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, यातायात निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत उपस्थित रहे।

शेयर ट्रेडिंग के रुपयों को लेकर दो युवकों का अपहरण कर बेदम पिटाई, रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

शेयर ट्रेडिंग में लगाए गए रुपयों को लेकर कार सवार तीन बदमाशों ने एक युवक का अपहरण कर बांस बाड़ी ले गए। बदमाशों ने वहां पूर्व से इसके साथी को बंधक बनाकर रखे थे। बदमाशों ने दोनों को पूरी रात बांस बाड़ी में ही रखा और मारपीट कर रुपयों की मांग करते रहे। चंगुल से छुटने के बाद एक युवक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस ने एक आरोपी के खिलाफ नामजद व दो अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार साहिल अंसारी उर्फ शानू शहर के मायापुर का रहने वाला है। वह सोमवार की शाम करीब 6.30 बजे पड़ोसी आसिफ उर्फ मुन्ना के साथ दोस्त से मिलने प्रतापपुर नाका गया था। तभी कार सवार अंकित सिंह व अभिजित तिवारी और साहित को जबरन कार में बैठाकर अपने साथ बांस बाड़ी ले गए। वहां पर पूर्व से पोलो सिंह व दो अन्य थे जो साहित के साथ शेयर ट्रेडिंग का काम करने वाला वश दुबे को पकडक़र रखे थे। बदमाशों ने साहित व वश से शेयर ट्रेडिंग के लिए दिए गए रुपयों की मांग करने लगे। साहित द्वारा कहा गया कि शेयर ट्रेडिंग में नुकसान हो गया है। इसके बाद सभी दोनों के साथ मारपीट कर पूरी रात वहीं पर रखे रहे। मंगलवार की सुबह आरोपियों में से एक युवक ने साहिल को मोबाइल देकर घर में फोन करने को कहा और रुपए मांगने के लिए कहा। साहिल ने अपने पिता को फोन लगाकर घटना की जानकारी दी और रुपए तुरंत लाने को कहा। नहीं लाने पर आरोपियों द्वारा जान से मार देने की जानकारी दी। साहिल ने पिता को बताया कि आप लोग

रुपए लेकर प्रतापपुर नाका पहुंचो। इसके बाद बदमाशों ने दोनों को साई बाबा स्कूल के पीछे सरगवां ले गए। यहां भी मारपीट कर दोनों से रुपए मांगने लगे। इसके बाद साहिल ने अपने चाचा नसीम अंसारी को फोन कर पैसा व्यवस्था करने को बोला। इसके बाद बदमाशों ने दोनों को शिवधारी तालाब के पास ले गए। इसके बाद साहिल के चाचा का फोन आया और बताया कि तुम्हारी मां रिपोर्ट दर्ज कराने थाना गई है। इसके बाद बदमाशों ने साहिल को छोड़ दिए। जबकि वश को अपने साथ रखे थे। आरोपियों के चंगुल से छुटने के बाद साहिल ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। साहिल की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी अंकित ङ्क्षसह, अभिजित तिवारी, पोलो सिंह व अन्य के खिलाफ धारा 140(2) 3 (5) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

नवपदस्थ सरगुजा संभागायुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा ने किया पदभार ग्रहण

» **बुधवार को करेंगे संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक**

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

नवपदस्थ सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेंद्र कुमार दुग्गा ने मंगलवार 07 जनवरी 2025 को आयुक्त कार्यालय सरगुजा में विधिवत पदभार ग्रहण किया। वे 2008 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। आयुक्त कार्यालय में उनका हार्दिक स्वागत किया गया। इस दौरान

उपायुक्त श्री आरके खूंटे उपस्थित रहे। इस अवसर पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पुष्पगुच्छ भेंट कर संभागायुक्त का स्वागत किया। नवपदस्थ सरगुजा संभागायुक्त श्री दुग्गा इससे पूर्व सचिव, आदिम जाति विकास विभाग, अनुसूचित जाति विकास विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित विकास के पद पर पदस्थ रहे। हाल ही में राज्य शासन द्वारा जारी स्थानांतरण अनुसार सरगुजा संभाग के नये संभाग आयुक्त के रुप में श्री दुग्गा को जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

आयुक्त सरगुजा सम्भाग लेंगे संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक

संभागायुक्त श्री दुग्गा कार्यालय आयुक्त सरगुजा संभाग अम्बिकापुर के सभाकक्ष में 08 जनवरी 2025 को प्रातः 11:30 बजे से संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक लेंगे। बैठक में संबंधित अधिकारियों को विभागीय योजनाओं की सम्पूर्ण जानकारी के साथ-साथ शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होने निर्देशित किया गया है।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन हेतु आरक्षण की कार्यवाही नगरपालिक निगम उ.मा.वि. में आज

कलेक्टर एसपी ने तैयारियों का लिया जायजा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन हेतु जिले में जिला पंचायत के सदस्य, जनपद पंचायत के अध्यक्ष, सदस्य एवं ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच पदों के प्रवर्गवार एवं महिलाओं के प्रवर्गवार स्थानों के आबंटन, आरक्षण की कार्यवाही 8 जनवरी को नगरपालिक निगम उ.मा.वि. अम्बिकापुर में आयोजित होगी। इसी कड़ी में आवश्यक तैयारियों का जायजा लेने मंगलवार को कलेक्टर श्री विलास भोसकर एवं पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल निर्धारित स्थल पर पहुंचे। उन्होंने आरक्षण की कार्यवाही हेतु जिला पंचायत एवं जनपद हेतु निर्धारित कक्षों का अवलोकन किया और सुरक्षा व्यवस्था हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान एएसपी श्री अमोलक सिंह, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक एवं राम सिंह ठाकुर सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सडक़ सुरक्षा माह अंतर्गत,की गई स्कूली बसों की जांच

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा जिले में सडक़ सुरक्षा माह चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को सभी शिक्षण संस्थाओं के बस चालकों, परिचालकों को जागरुक किया गया। इस दौरान आवश्यक दस्तावेज सहित बसों की जांच की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों एवं रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत के नेतृत्व में यातायात पुलिस टीम द्वारा पुलिस लाईन ग्राउंड में सभी बस चालकों, परिचालकों को एकत्रित कर आरटीओ विभाग, स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में यातायात जागरूकता सहित विभिन्न जांच किये गए।

शिविर के दौरान जिले भर में शिक्षण संस्थाओं में उपयोग हो रहे लगभग 49 बस चालक, परिचालक बस सहित उपस्थिति हुए। मौके पर 12 पुलिस वाहन के चालक भी उपस्थित रहे, संयुक्त टीम द्वारा बसों की बारीकी से जांच कर वाहनों की फिटनेस, सीसीटीवी, इमरजेंसी गेट, लाइट, इंडिकेटर, वाइपर, फर्स्ट ऐड बॉक्स सहित अग्निशमन की व्यवस्था चेक किए गए। स्कूल बसों में पाई गई खामियों को तत्काल दुरुस्त कर करने के निर्देश दिए गए।

शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग की सहायता से नेत्र जांच सहित अन्य स्वास्थ्य जांच की गई। जिसमे कुल 61 बस चालकों, परिचालकों ने भाग लिया। यातायात पुलिस टीम द्वारा शहर की यातायात व्यवस्था के सुचारु संचालन हेतु बस स्टोपेज में बस खड़ी कर बच्चों को उतारने एवं रोड क्रॉस कराने हेतु परिचालक को समझाइश दी गई। रैश ड्राइविंग की सूचना हेतु संस्था प्रभारी का मोबाइल नंबर बस में बड़े-बड़े अक्षरों में अंकित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही वाहनों से प्रेसर हॉर्न एवं हाईलोजन लाइट निकलवाकर वाहन चालकों को तय मानक अनुसार लाइट एवं हॉर्न लगाने निर्देशित किया गया।

शिविर के दौरान नेत्र विशेषज्ञ डॉ. श्रुति, चिकित्सा अधिकारी पुलिस लाईन हॉस्पिटल डॉ मयंक शर्मा आरटीओ निरीक्षक अम्बिकापुर पंचम सिंह ,सहायक उप निरीक्षक निशिकांत एक्का, नेत्र सहायक लक्ष्मण गुप्ता ,अमित नापित, राजेंद्र जायसवाल, प्रधान आरक्षक जितेंद्र यादव, लैब टेकनीशियन दिलिप खलखो, आरक्षक उमेश्वर सिंह, सुनील कुमार, शिवप्रताप सिंह, अमन पुरी लालमान सिंह स्टाप नर्स दीपशिखा रंजन शामिल रहे।

विद्यालय स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन 11 जनवरी को

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

चेस इन स्कूल कार्यक्रम के तहत 11 जनवरी को स्कूली बच्चों के लिए शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। सरस्वती शिशु मंदिर अंबिकापुर में आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता में अंडर 9, अंडर 11, अंडर 13, अंडर 15 व अंडर 17आयु वर्गों में विजेता बालक, बालिकाओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएगा।

ग्रीनलैंड पहुंचे ट्रंप जूनियर,अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने कही थी द्वीप को खरीदने की बात

नूक (ग्रीनलैंड), 07 जनवरी 2025। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर मंगलवार को ग्रीनलैंड पहुंचे। उनके इस निजी दौरे से इस बात की आशंका बढ़ गई है कि आने वाला अमेरिकी प्रशासन ग्रीनलैंड को अपने अधीन कर सकती है। ग्रीनलैंड, डेनमार्क का एक स्वशासी क्षेत्र है। डेनिश के सरकारी मीडिया की खबरों के मुताबिक, ट्रंप जूनियर का विमान ग्रीनलैंड की राजधानी नूक में उतरा। राजधानी नूक एक बर्फील जगह है, जहां करीब 57 हजार लोग रहते हैं।

एक बयान में ग्रीनलैंड की सरकार ने कहा कि ट्रंप जूनियर का निजी दौरा है, न कि आधिकारिक दौरा। उनका ग्रीनलैंड के प्रतिनिधियों से मिलने का कोई कार्यक्रम नहीं है। ग्रीनलैंड के विदेश मंत्रालय के स्थायी सचिव मिनिंगुआक क्लेस्ट ने बताया कि अधिकारियों को सूचित किया गया है कि ट्रंप जूनियर करीब चार से पांच घंटे के लिए ग्रीनलैंड में रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप जूनियर के दल ने सरकार से किसी भी आधिकारिक बैठक का अनुरोध नहीं किया है और न ही ग्रीनलैंड की सरकार ने बैठक का अनुरोध किया।

डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की दौड़ के दौरान ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने की इच्छा जताई थी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया खाते पर भी लिखा था- ग्रीनलैंड एक अद्भुत जगह है। यदि यह हमारे देश का हिस्सा बनता है, तो यहां के लोगों को बहुत लाभ मिलेगा। हमें इसे सुरक्षित रखेंगे और दुनिया से बचाएंगे। ग्रीनलैंड को दोबारा महान बनाओ (मेक ग्रीनलैंड ग्रेट अगेन)। डोनाल्ड ट्रंप ने पहले भी ग्रीनलैंड को खरीदने की बात की थी। पिछली बार जब उन्होंने डेनमार्क के लिए अमेरिकी राजदूत का चयन किया था, तो कहा था, ग्रीनलैंड का स्वामित्व और नियंत्रण दुनियाभर में स्वतंत्रता और अमेरिकी सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है।

ग्रीनलैंड, डेनमार्क का हिस्सा होने के बावजूद एक स्वशासी क्षेत्र है। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूटे बुरुप एगेडे ने भी डेनमार्क से स्वतंत्रता की बात की थी और नए साल के संबोधन में कहा था कि यह ग्रीनलैंड को अपने औपनिवेशिक अतीत से मुक्त करने का एक तरीका हो सकता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा था कि ग्रीनलैंड को अमेरिका का हिस्सा बनने में कोई रुचि नहीं है और यह द्वीप बिकाऊ नहीं है।

ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। यह अटलांटिक और आर्कटिक महासागरों के बीच स्थित है और इसका 80 फीसदी हिस्सा बर्फ से ढका हुआ है। यहां एक बड़ा अमेरिकी सैन्य अड्डा भी है।

एलन मस्क के एक्स को टक्कर देगा मेटा का नया प्रोग्राम,जानें फेसबुक और इंस्टाग्राम में क्या होगा बदलाव

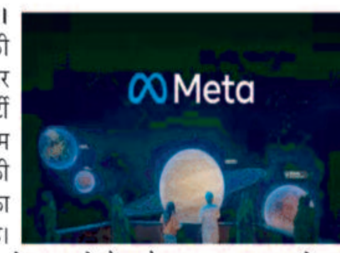

न्यूयॉर्क,07 जनवरी 2025। फेसबुक और इंस्टाग्राम की मालिक कंपनी मेटा ने मंगलवार को कहा कि वह अपनी थर्ड-पार्टी फैक्ट-चेकिंग (सत्यापन) प्रोग्राम को बंद कर रही है और इसकी जगह कम्युनिटी नोट्स नाम का एक नया प्रोग्राम शुरू कर रही है। यह प्रोग्राम यूजर्स की तरफ से लिखा जाएगा, जो एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) की तरह काम करेगा। जानकारी के मुताबिक ये प्रोग्राम सबसे पहले अमेरिका से लागू किया जाएगा।

थर्ड-पार्टी फैक्ट-चेकिंग प्रोग्राम को खत्म करेगा मेटा

बता दें कि, अमेरिका से शुरुआत करते हुए, मेटा स्वतंत्र थर्ड-पार्टी फैक्ट-चेकिंग प्रोग्राम को खत्म कर देगी। कंपनी ने कहा कि उसने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि एक्सपर्ट फैक्ट-चेकर्स भी अपने खुद के पूर्वाग्रह रखते हैं, और बहुत ज्यादा कंटेंट का फैक्ट-चेक किया जाने लगा था। इसलिए अब मेटा कम्युनिटी नोट्स मॉडल अपनाएगी।

अधिक अभिव्यक्ति की अनुमति देने की योजना

मामले में मेटा के चीफ ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर जोएल कैपलन ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा, हमने देखा है कि यह तरीका एक्स पर काम करता है, जहां वे अपनी कम्युनिटी को यह तय करने का अधिकार देते हैं कि कब पोस्ट भ्रामक हो सकते हैं और उन्हें अधिक संदर्भ की जरूरत है। इसके साथ ही, मेटा ने कहा कि वह अधिक अभिव्यक्ति की अनुमति देने की योजना बना रही है और कुछ विषयों पर लगी पाबंदियां हटाएगी, जो मुख्यधारा की चर्चा का हिस्सा हैं। कंपनी अब अवैध और उच्च गंभीरता वाले उल्लंघनों जैसे आतंकवाद, बाल यौन शोषण और ड्रग्स पर ध्यान केंद्रित करेगी।

जटिल सिस्टम ने बहुत ज्यादा गलतियां की:मेटा

मेटा ने यह भी माना कि उसके की तरफ से कंटेंट को मैनेज करने के लिए बनाए गए जटिल सिस्टम ने बहुत ज्यादा गलतियां की हैं और बहुत सारे कंटेंट को सेंसर कर दिया है। वहीं मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि इन बदलावों का एक कारण डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति चुनाव में जीत भी है। जुकरबर्ग ने एक ऑनलाइन वीडियो में कहा, हाल के चुनाव एक सांस्कृतिक मोड़ की तरह लगते हैं, जहां अभिव्यक्ति को एक बार फिर से प्राथमिकता दी जा रही है।

लुइसियाना में बर्ड फ्लू से पहली मौत

लॉस एंजेल्स,07 जनवरी 2024। अमेरिका के लुइसियाना राज्य में बर्ड फ्लू यानि एच5एन1 से पहली मौत रिपोर्ट हुई है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार लुइसियाना स्वास्थ्य विभाग ने एक समाचार विज्ञप्ति में इस बात की पुष्टि की है। इसमें कहा गया है कि रोगी को एवियन इन्फ्लूएंजा की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रोगी की आयु 65 वर्ष से अधिक थी और उन्हें पहले से ही कई तरह की कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थीं। विभाग ने कहा कि रोगी को जंगली पक्षियों के संपर्क में आने के बाद एच5एन1 का संक्रमण हुआ था। विभाग ने उल्लेख किया कि रोगी दक्षिण-पूर्वी अमेरिकी राज्य में एच5एन1 का एकमात्र मामला है और विभाग की व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य जांच में एच5एन1 के कोई अतिरिक्त मामले या किसी से संपर्क के साक्ष्य की पहचान नहीं हुई है। राज्य के अधिकारियों ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि लोगों को एच5एन1 से बचाने का सबसे अच्छा तरीका संपर्क के स्रोतों से बचना है। फिलहाल आम जनता के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम कम बना हुआ है। जो लोग पक्षियों, मुर्गियों या गायों के साथ काम करते हैं, या उनके साथ मनोरंजन के लिए संपर्क में आते हैं उन्हें इससे अधिक जोखिम है।

27 से 03 फरवरी तक विभागीय परीक्षा

- संवाददाता -
सूरजपुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

विभागीय परीक्षा 27 जनवरी से 03 फरवरी तक नियत किया गया है। विभागीय परीक्षा में सर्व संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हो सकते है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को उत्तीर्ण होने के लिए 10 प्रतिशत अंकों तक छूट दिये जाने का प्रावधान है। ऐसे परीक्षार्थी अपना जाति प्रमाण पत्र भी आवेदन के साथ उपलब्ध करायेंगे। विभिन्न परीक्षाओं में बैठने के इच्छुक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची 09 जनवरी तक जिला कार्यालय स्थापना शाखा में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

31 वें राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में सूरजपुर क़ी प्रतिमा प्रजापति ने लहराया परचम

- संवाददाता -
सूरजपुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन मैप कास्ट, रविंद्र भवन भोपाल मध्यप्रदेश में 3 से 6 जनवरी 2025 तक किया गया। जिसमें 640 प्रतिभागियों ने भाग लिया और 194 प्रोजेक्ट उवकंस प्रस्तुत किये गए, इसके अलावा 10 अंतराष्ट्रीय मॉडल थे कतर बाहरीन सयुंक्त अरब अमीरात से आये मॉडल भी थे छत्तीसगढ़ राज्य से चयनित 16 बाल वैज्ञानिकों ने भाग लिया। जिसमें से राष्ट्रीय स्तर पर 20 उत्कृष्ट परियोजनाओं का चयन किया गया। इनमें से छत्तीसगढ़ राज्य से चार उत्कृष्ट परियोजनाओं का चयन किया गया। बाल वैज्ञानिक प्रतिमा प्रजापति सूरजपुर (मेकिंग हार्ड बोर्ड फ्रॉम मेज) की परियोजना को उत्कृष्ट पाया गया। इनका चयन उत्कृष्ट 20 परियोजनाओं में हुआ है, मक्का उगाने वाले किसानो क़ी आमदनी बढ़ाने हेतु बनाये गए प्रोजेक्ट क़ी सभी ने सराहना क़ी मक्के के जिस हिस्से को कचरा समझकर फेक दिया जाता है उसी से मजबूत हार्डबोर्ड बनाकर किसानो को व्यवसाय का दूसरा विकल्प भी दिया जा सकता है। प्रतिमा एवं उनकी मार्गदर्शक शिक्षिका डॉ निशा सिंह व्याख्याता शा. उच्च. मा. विद्यालय करवां को प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। डॉ. श्रीमती जे.के. राय, राज्य समन्वयक, डॉ. एम.के. राय राज्य शैक्षिक समन्वयक, श्री जगदीश्वर राव, श्री सुशील कुमार पटेल, डॉ निशा सिंह एवं श्रीमती अपर्णा तिवारी उक्त अवसर पर उपस्थित रहे। प्रतिमा की इस अपार सफलता पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री राम ललित पटेल एवं जिला सन्वयक श्रीमती अनु कांडे एवं जिला मिशन समन्वयक श्री शशिकांत सिंह, सहायक संचालक रविंद्र सिंहदेव विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री सुनील कुमार पोर्ते ने अपनी बधाई एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की है।

एक ही रात में 7 दुकानों में चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

नगर के गुदरी बाजार में स्थित सात दुकानों में अज्ञात चोरों ने एक ही रात में चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

गुदरी बाजार में सरगुजा सब्जी भण्डार संचालक आज सुबह जब दुकान पहुंच तो पैसा रखने का गल्ला पेटी खुला हुआ था तथा सामान बिखरा पडा था, तथा गल्ला मे रखा करीब 700 रू0 व एक नग की पैड वाला सैमसंग मोबाईल नहीं था। तब दुकान को चेक किया तो दुकान का उपर का सीट छज्जा टूटा हुआ था, जिसमें से कोई अज्ञात व्यक्ति दुकान का सीट तोडकर चोरी कर ले गया है। गुदरी बाजार में अन्य सब्जी दुकान वाले भी अपना अपना दुकान खोले तो पता चला की मोनू केसरी के दुकान से 1200 रू0 नगद व कुछ चप्पल जूता, तथा गुडडु गुप्ता के सब्जी दुकान से 2000 रू0 चिल्हर पैसा, राजु अग्रवाल के किराना दुकान से करीब 7000 रू0 व किराना सामग्री तथा उमाशंकर गुप्ता के सब्जी दुकान से करीब 4000 रू0, महेन्द्र साहू के सब्जी दुकान से करीब 8000 रू0 व कुछ लहसुन तथा बबलू अली फुटवियर के दुकान से 6000 रू0 व जूता चप्पल, व श्याम लाल जायसवाल के चावल दुकान से करीब 500 रू0 व नवल गुप्ता के सब्जी दुकान से करीब 800 रू0 कोई अज्ञात चोर के द्वारा दुकान का सीट काटकर दुकान अंदर घुसकर चोरी कर ले गये है। घटना सामने आने के बाद सभी व्यापारी लोग कोतवाली थाना पहुंचे और घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।

मुंबई से घर लौट रहे युवक की कीचड़ में मिली लाश, बेटे को कॉल कर कहा था- मुझे यहां तक लेने आना

बेटा उस जगह पर पहुंचा,जहां पिता ने लेने आने की कही थी बात, शाम तक इंतजार करने के बाद भी पिता वहां नहीं पहुंचा तो वह लौट गया था,इसी बीच सुबह उसकी लाश मिला

- संवाददाता -
कुसमी,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

मुंबई शहर से काम कर घर लौट रहे झारखंड के एक व्यक्ति का शव बलरामपुर जिले के कुसमी-अंबिकापुर मुख्य मार्ग में ग्राम कृष्णनगर में सडक़ किनारे खेत के कीचड़ में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। घटना की बात सूचना पर कुसमी थाना प्रभारी संतलाल आयाम व एसआई संजीव कुमार कायंता मौके पर पहुंचे और जांच की।

बताया जा रहा है कि सुदेश्वर गोप पिता भंजन गोप उम्र 33 वर्ष 10 वर्षों से मुंबई शहर में इलेक्ट्रॉनिक से जुड़ा कार्य कर रहा था। इस बीच वह मुंबई से अपने गांव दीना लौट रहा था और शनिवार की सुबह 10 बजे वह अपने बेटे धनेश्वर गोप के पास फोन किया उसने कहा कि वह कुसमी पहुंचने वाला है, तुम जैरागी गांव में आ जाना।

इसके बाद धनेश्वर गोप अपने पिता सुदेश्वर गोप का ग्राम जैरागी में जाकर देर शाम तक इंतजार किया। इस दौरान पिता के मोबाइल में फोन लगाकर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन नहीं लगा।

सुबह कीचड़ में मिली लाश

इधर रविवार की सुबह ग्राम कृष्णनगर में सडक़ किनारे खेत के कीचड़ में फंसी एक व्यक्ति की लाश मिली। सूचना पर कुसमी पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास पूछताछ कर उसके शिनाख्त की कोशिश की, लेकिन पहचान नहीं हो पा रही थी।

इसके बाद पुलिस ने मृतक के शव की फोटो को सोशल मीडिया में वायरल किया, इसी बीच मृतक के परिजन भी उसे ढूंढते हुए जब कुसमी पहुंचे तो उन्हें घटना की जानकारी हुई और फिर उन्होंने शव की शिनाख्त की।

नशे की हालत में कीचड़ में गिरने की आशंका

आशंका जताई जा रही है कि मृतक सुदेश्वर गोप मुंबई से लौटने के दौरान शनिवार को कुसमी से करीब 10 किमी पहले कृष्ण नगर में उतर गया और यहां वह शराब का सेवन करने के बाद शनिवार की देर शाम को शौच के लिए खेत की तरफ गया होगा।

यहां नशे की हालत में खेत के दलदली नुमा कीचड़ में उसका पैर फंस गया और वह मुंह के बल कीचड़ में गिर गया। इसके बाद उठ ही नहीं पाया और दम घुटने से उसकी मौत हो गई। इधर शव के पीएम के दौरान भी मृतक के मुंह सहित श्वास नली से काफी कीचड़ निकला है।

अग्निवीर वायु की भर्ती के लिए 07 से 27 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित

- संवाददाता -
सूरजपुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

इंडियन एयर फोर्स में अग्निवीर स्कीम के तहत अग्निवीर वायु की भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 07 से 27 जनवरी तक फॉर्म भरे जाएंगे। ऑनलाइन परीक्षा मार्च में होगी। इस भर्ती के लिए जन्मतिथि 01 जनवरी 2005 और 01 जुलाई 2008 के बीच होना जरूरी है। शैक्षणिक योग्यता मैथ्स, फिजिक्स व इंग्लिश से 12वीं में 50 प्रतिशत अंको के साथ पास और इंग्लिश में 50 प्रतिशत अंक जरूरी है। इसी तरह पॉलिटेक्निक संस्थानों से मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, ऑटोमोबाइल, कंप्यूटर साइंस, इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्नोलॉजी, सूचना प्रौद्योगिकी में तीन साल का डिप्लोमा कोर्स 50 प्रतिशत अंको के साथ पास हो। साइंस के अलावा किसी भी अन्य स्ट्रीम में 12वीं पास, 50 प्रतिशत नंबर इंग्लिश में होना चाहिए। आवेदन शुल्क 550 रुपये के अलावा जीएसटी। फिजिकल टेस्ट में 1.6 किमी. की दौड़ होगी चयन के लिए ऑनलाइन टेस्ट होगा। फिजिकल टेस्ट में 1.6 किमी. की दौड़ होगी, पुशअप, सीट अप व अन्य टेस्ट भी होगा। आवेदन के लिए विस्तृत जानकारी वेबसाइट https://agnipathvayu.cdac.in पर जारी किया गया है।

ग्रामीण क्षेत्र के आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए आवेदन आंमत्रित

- संवाददाता -
सूरजपुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्रालय, में दिए गए प्रावधान के अनुसार पूर्व से स्वीकृत, प्रथम चरण, द्वितीय चरण एवं तृतीय चरण में स्वीकृत आंगनबाड़ी सहायिका के लिए 01 पद रिक्त है। पद पूर्ति के लिए मानसेवी आंगनबाड़ी सहायिका नियुक्त किये जाने हेतु पात्रताधारी महिला उम्मीदवारों से आवेदन पत्र निर्धारित प्रपत्र में परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना सूरजपुर के कार्यालय में 07 से 21 जनवरी तक शाम 05.30 बजे तक आमंत्रित किया जाना है। आवेदन पत्र स्वयं, प्रतिनिधि भेजकर, डाक से भेजकर जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।

एन.एस.एस शिविरों एवं स्कूलों में चलाया जा रहा है जागरूकता अभियान

- संवाददाता -
सूरजपुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के दिशा निर्देश एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू के मार्गदर्शन मे जिला सूरजपुर में युद्ध स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम किया जा रहा है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के नेतृत्व में जिला बाल संरक्षण इकाई, सखी वन स्टॉप सेंटर चाईल्ड लाईन की टीम विभिन्न स्कूलों व एन.एस.एस के शिविरों में कार्यक्रम कर सभी को बाल विवाह मुक्त सूरजपुर बाल विवाह मुक्त छ.ग. एवं बाल विवाह मुक्त भारत का शपथ दिला रहे है। सभी बच्चों को गुड टच बैड टच एवं अन्य कानूनों के प्रति जागरूक रहे हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना हाईस्कूल कोट एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल अधिना सलका के ग्रामीण शिविरों मे जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल ने कैम्प के स्वयं सेवकों एवं अन्य को किशोर न्याय अधिनियम की जानकारी दी और बताया कि बडो के लिए जैसे भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराएं लगती है, वैसे ही बच्चों को सुधारने के लिए किशोर न्याय अधिनियम बना है। बच्चो संबंधी समस्त न्याय उपचार उसी में उल्लेखित प्रावधान के अनुसार होता है। चाहे वह विधि विरुद्ध बच्चा हो या संरक्षण की आवश्यकता वाला बच्चा। उन्होंने सभी बच्चों को गुडटच व बैड टच के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी और बताया कि कुछ अंगों पर सिर्फ और सिर्फ हमारा अधिकार होता है उसे कोई टच नहीं कर सकता और यदि कोई गलत ढंग से टच करता है तो वह लैगिंक अपराध से बालको का संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत अपराध है। उसकी शिकायत जरूर करें। श्री जायसवाल ने मोटर व्हीकल एक्ट के सम्बन्ध में जानकारी दी उन्होने बताया कि बगैर 18 वर्ष पूर्ण हुए बिना लाइसेंस के गाड़ी न चलाये। पहले उम्र पुरी हो लाईसेन्स बनवायें तब गाडी चलाये घर में अपने अभिभावकों के बिना हेलमेट के गाडी चलाने से मना करें। आये दिन दुर्घटना से काफी जाने जा रही है, उन्होंने बच्चों को सखी वन स्टाप सेंटर एवं उसके पांच प्रकार की सेवाएं, घरेलू हिंसा अधिनियम टोनही प्रताड़ना अधिनियम, बाल श्रम प्रतिषेध अधिनियम, कुमार श्रम अधिनियम बाल भिक्षावृत्ति, एक युद्ध नशे के विरुद्ध बच्चों को नशा से दूर रहने के उपायों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी।

लडकियों को बताया की वो किसी से कम नहीं हैं यदि वो ठान ले तो कुछ भी कर सकती है। उन्हाने पूर्व बाली बाल खिलाडी और माउन्ट ऐवरेस्ट फतह करने वाले दिव्यांग बालिका अरूणिमा सिन्हा की कहानी बताई और वहा कि अरूणिमा सिन्हा जब ट्रेन की सफर कर रही थी तो कुछ बदमासी ने उसे चलती ट्रेन से ढकेल दिया और उसके पैर काटने पड़े उसके बावजूद उसने दुर्लक्ष माउन्ट एवरेस्ट चढ़ने का निर्णय लिया और जब बछेन्द्री पाल से मिली तो बछेन्द्री पाल ने उसका हौसला बढ़ाया बाद में अरूणिमा ने विश्व की पहली दिव्यांग महिला सिने माउन्ट एवरेस्ट चढ़ने का गौरव प्राप्त किया। इसलिए अपने आप को कमजोर नही मानना चाहिए बल्कि दृढ इच्छा शक्ति के साथ लगन से काम करने से कुछ भी प्राप्त हो सकता है।

क्या सहकारी समितियां में फर्जी धान खरीदी का चल रहा बड़ा खेल ?

- प्रतिदिन तय सीमा पर कट रहे टोकन,परंतु धान का आवक लगभग नहीं के बराबर:सूत्र
- डीओ कटने का इंतजार करते हैं राइस मिलर्स और समिति में पदस्थ कर्मचारी
- किसानों का संग्रहित और उपार्जित धान बिक्री उपरांत समाप्त होने की कगार पर
- बिचौलिए और समिति में पदस्थ कर्मचारी किसानों के बकाया रकबे में नगद राशि से कर रहे फर्जी धान खरीदी:सूत्र
- समितियां में लगा सीसीटीवी कैमरा किसी काम का नहीं, रिकॉर्डिंग की भी नहीं है सुविधा
- राइस मिलर्स, बिचौलियों को समिति में खपाने के लिए उपलब्ध करा रहे धान
- सिंडिकेट की तरह हो रही पूरी धांधली, बगैर मिलीभगत के संभव नहीं

- रवि सिंह -
कोरिया,07 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

किसानों को समृद्ध बनाने, उनके द्वारा उपार्जित फसल के उचित भुगतान की व्यवस्था करने के लिए केंद्र सरकार से लेकर राज्य सरकार तक विभिन्न योजनाएं लागू करते हैं। साथ ही विभिन्न समितियां के माध्यम से किसानों द्वारा उपार्जित अन्न की तयशुदा कीमत पर खरीदी करने की व्यवस्था भी सरकारें करती है। पूरी प्रक्रिया में किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए सशक्त व्यवस्था बनाने का प्रयास होने के बावजूद भ्रष्टाचारियों को तरह-तरह के उपाय मिल ही जाते हैं, जिससे वह शासन को चूना लगाने से बाज नहीं आते। प्रदेश सहित पूरे देश में किसानों द्वारा उपार्जित धान की खरीदी एक महती व्यवस्था है, जिसमें साल दर साल शासन अपने खरीदी के लक्ष्य को बढ़ाती जाती है। परंतु क्या जमीनी स्तर पर वास्तव में सही खरीदी होती है? या कागजों में खरीदी को प्रदर्शित कर शासन द्वारा की जाने वाली भुगतान की राशि का घाल-मेल किया जाता है? कुछ ऐसा ही मामला इन दिनों कोरिया जिले के विभिन्न समितियां में देखा जा रहा है, जहां विगत एक माह से धान खरीदी अपने जोरों पर है। परंतु घटती घटना के पड़ताल में यह पाया गया कि क्षेत्र के अधिकांश किसान अपने द्वारा उपार्जित फसल को समितियां में बेच चुके हैं। बहुत ही विरले किसान बाकी हैं, जिनकी फसल की बिक्री अभी तक नहीं हो पाई है। बावजूद इसके धान खरीदी प्रारंभ होने से लेकर अब तक कोई भी दिन ऐसा ना गया है, जब लिमिट अनुसार टोकन ना कटा हो और प्रतिदिन खपत ना दर्शाई गई हो यह एक बड़ा भ्रष्टाचार है जिसे प्रशानिक अधिकारी समझ नहीं पा रहे है ।

यह है खेल

इस पूरे खेल को समझने के लिए सबसे पहले शासन द्वारा धान खरीदी प्रक्रिया को समझना आवश्यक है। वर्तमान सत्र में छत्तीसगढ़ शासन प्रत्येक पंजीकृत किसान से प्रति एकड़ 21 कुंतल के दर से धान खरीदी की सीमा निर्धारित की है। जिसका वर्तमान में भुगतान केंद्र सरकार द्वारा लागू एमएसपी के अधीन 2300 रुपए प्रति क्रिंटल किया जा रहा है। और राज्य सरकार प्रति क्रिंटल 800 रूपए के दर से बोनस के रूप में कुल मिलाकर 3100 रूपए प्रति क्विंटल भुगतान का लक्ष्य रखी है। यह जाहिर सी बात है कि जिले में धान का औसत उत्पादन प्रति एकड़ लगभग 15 से 20 क्रिंटल के बीच है, वह भी तब जब अनुकूल फसल हो जाए। इस बार अत्यधिक वर्षा के कारण यह भी संभव नहीं हो पाया है। इस दशा में किसानों द्वारा उपार्जित धान की मात्रा वास्तव में कम है, और किसान अपने पूरे पंजीकृत रकबे में धान विक्रय करने में सक्षम नहीं है। अर्थात अधिकांश किसानों का पंजीकृत रकबा खाली जा रहा है। यह भी गौरतलब है कि जो वास्तव में किसान हैं, उनमें से अधिकांश किसानों ने धान खरीदी के प्रथम माह में ही अपना धान समितियों में विक्रय कर लिया है। कुछ प्रतिशत ही किसान बाकी हैं, जिनका उपार्जित धान अभी तक बिक्री नहीं हो पाया है। जब तक समितियों में धान उठाव के लिए डीओ जारी नहीं हुआ था, तब तक वास्तव में किसानों से उपार्जित धान की खरीदी की जा रही थी। असली खेल अब प्रारंभ हुआ है, जब समितियां से धान उठाव के लिए राइस मिलर्स को डीओ जारी किया गया है। फर्जी धान खरीदी के इस खेल में समिति में पदस्थ कर्मचारियों के अलावा बिचौलिए और राइस मिलर्स भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। जिन किसानों के पास धान नहीं है, या जिनका रकबा खाली जा रहा है, या तो राइस मिलर्स समितियां से उठाव किए गए धान को पुनः उन्हें समिति में बेचने के लिए उपलब्ध करा रहे हैं, या बिचौलिए और समिति में पदस्थ कर्मचारी ऐसे किसानों से सौदेबाजी कर उनके नाम का टोकन काटते हैं, और समिति में बगैर धान लाये राइस मिलर्स को 2200 से 2300 रूपए प्रति कुंतल के दर से नगद भुगतान कर रहे हैं। इसके बदले राइस मिलर्स भी धान उठाव की प्रक्रिया में समिति प्रबंधकों को क्लीन चिट दे देते हैं, की खरीदे गए धान का उठाव कर लिया गया है। इससे राइस मिलर्स को भी उठाव के लिए वाहन का भाड़ा तथा पल्लेदारी की पूरी राशि वहन नहीं करनी पड़ती, जो कि उन्हें अतिरिक्त फायदा दिलाता है।

प्रतिदिन तय सीमा पर कट रहे टोकन,परंतु धान का आवक लगभग नहीं के बराबर

कोरिया जिले के प्रत्येक सहकारी समिति और धान खरीदी केंद्र में प्रतिदिन जारी तयशुदा लिमिट के अनुसार टोकन तो कट रहे हैं,पर वास्तव में धान का आवक एक चौथाई भी नहीं है। बावजूद इसके प्रतिदिन शाम तक पूरी खरीदी संपन्न कर कागजों में दर्ज कर लिया जाता है। प्रत्येक समिति और धान खरीदी केंद्र में निगरानी समिति का गठन किया गया है, साथ ही शासन द्वारा नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं। निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। बावजूद इसके इतने बड़े फर्जीवाड़े को प्रत्येक समिति द्वारा अंजाम देना कहीं ना कहीं बड़े अधिकारियों के मिली भगत को भी इंगित करता है।

समितियों में लगे सीसीटीवी कैमरे किसी काम के नहीं, रिकॉर्डिंग की नहीं है सुविधा

धान खरीदी में पारदर्शिता लाने के लिए प्रत्येक धान खरीदी केंद्र में सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की गई है। परंतु यह कैमरे किसी काम के नहीं है, क्योंकि इनमें केवल लाइव देखा जा सकता है, रिकॉर्डिंग की कोई व्यवस्था नहीं है। ताकि किसी प्रकार के गड़बड़ की जांच होने की सूरत में यह सीसीटीवी काम ना आ सके। इसके अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरा के फुटेज का फोकस इस प्रकार रखा गया है कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने पर सीसीटीवी के माध्यम से पकड़ा ना जा सके। और तो और प्रत्येक धान खरीदी केंद्र में निगरानी समिति और नोडल अधिकारी की नियुक्ति भी की गई है। परंतु इन सब के बावजूद फर्जी धान खरीदी पर लगाम लगाना किसी भी सूरत में नजर नहीं आ रहा।

सिंडिकेट की तरह हो रही पूरी धांधली, बगैर ऊपर के मिली भगत के संभव नहीं

धान खरीदी केंद्र में फर्जी धान खरीदी के भ्रष्टाचार का अंदाजा केवल निगरानी और जांच से ही पता लगाया जा सकता है। यदि भौतिक सत्यापन प्रतिदिन का कराया जाए तो सारे भ्रष्टाचार उजागर हो जाएंगे। परंतु जब ऊपर से लेकर नीचे तक सभी जिम्मेदार भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबे हों तो भ्रष्टाचार से मुक्ति मिलेगी कैसे। घटती घटना ने एक धान खरीदी केंद्र में अपने पड़ताल में एक किसान से जब बात की तो नाम ना बताने की शर्त पर किसान ने बताया कि आज उसका धान बेचने का टोकन था। परंतु जितनी मात्रा का टोकन था, उतना मात्रा का धान उसके पास उपलब्ध नहीं था। शाम होते-होते समिति कर्मचारियों ने उससे सौदेबाजी कर 26 रूपए प्रति किलो की दर से नगद राशि लेकर काटे गए टोकन की पूरी मात्रा को धान खरीदी में दर्शा दिया। अब बड़ा सवाल यह है कि जब धान खरीदी हुई नहीं तो भौतिक रूप से धान का सत्यापन होगा कैसे। इसलिए घटती-घटना का कहना यह है कि ऊपर से नीचे तक फर्जी धान खरीदी के लिए सब एक सिंडिकेट की तरह कार्य कर रहे हैं। जिसमें राइस मिलर्स का बहुत बड़ा योगदान है, जो समिति को धान उठाव का प्रमाण पत्र मात्र 23 से 24 रूपए प्रति किलो में दे देते हैं। इस प्रकार समिति कर्मचारियों को बैठे बिठाये दो से तीन रुपए प्रति किलो की राशि मिल जाती है। यह स्थिति तब है जब किसान से सौदेबाजी की जाती है। जब किसान के बकाया रकबे में समिति कर्मचारी स्वयं फर्जी धान खपाते हैं,तो निर्बाध राशि आहरण के लिए किसान का एटीएम कार्ड बनवाकर स्वयं के पास रख लेते हैं या किसानों से अग्रिम चेक बनाकर रख लिया जाता है। ताकि बाद में खाते में पैसा आने पर बगैर किसान के बैंक जाए राशि को आहरित किया जा सके।

धान उठाव के लिए यदि संग्रहण केंद्र में धान का संग्रहण किया जाए तो बंद हो सकता है फर्जी धान खरीदी का भ्रष्टाचार

समितियां द्वारा फर्जी धान खरीदी कर किए जाने वाले भ्रष्टाचार और शासन को चूना लगाने के क्रियाकलाप पर यदि रोक लगाना है, तो समितियों के धान खरीदी उपरांत खरीदे गये धान को संग्रहण केंद्रों भौतिक सत्यापन के साथ रखवाने के उपरांत ही यदि राइस मिलर्स को धान सौंपा जाए तो फर्जी धान खरीदी पर अंकुश लगाया जा सकता है। सीधे डीओ काटने पर राइस मिलर्स और समिति कर्मचारियों के आपसी सामंजस्य से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। जबकि समिति से संग्रहण केंद्र और संग्रहण केंद्र से राइस मिलर्स तक धान पहुंचाने में फर्जी धान खरीदी पर अंकुश लगाया जा सकता है।

विश्व हिंदी दिवस पर अलीशा शेख का वाराणसी में होगा सम्मान

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,07 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर वाराणसी में 10 जनवरी 2025 प्रांति इंडिया कंपनी के संरक्षक एवं मार्गदर्शक प्रदीप प्रसाद एवं संपादक ए के प्रसाद द्वारा आयोजित होने वाले प्रांति इंडिया एन्ड कम्पनी के वार्षिकोत्सव में छत्तीसगढ़ से युवा कवयित्री, शिक्षिका, उद्घोषिका अलीशा शेख को प्रांति इंडिया साहित्य सम्मान 2025 से सम्मानित किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में पूरे भारत से 111 साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा, जहां अलीशा का चयन छत्तीसगढ़ से किया गया है। बता दें कि हिंदी साहित्य और हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए उनके कार्यों और सेवा के सम्मान के रूप में उन्हें पराड़कर स्मृति भवन, मैदागिन वाराणसी में 10 जनवरी को अलीशा को प्रांति इंडिया साहित्य सम्मान 2025 से सम्मानित किया जाएगा। विदित है कि

अलीशा ने पूर्व में भी हिंदी साहित्य के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए कई सम्मान प्राप्त किए हैं। राष्ट्रीय भाषण प्रतियोगिता में हरियाणा तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खत्तर एवं छत्तीसगढ़ तत्कालीन मुख्यमंत्री रमन सिंह द्वारा सम्मानित की जा चुकी हैं। वर्तमान में जिला कोरिया सेजेस महलपारा, बैकुंठपुर विद्यालय में पदस्थ कवयित्री अलीशा के कई साझा काव्य प्रकाशित हो चुके है अनकही दास्तां, स्त्री ए वॉरियर, विद्या माता, एक सफर ऐन अनकंडीशनल जर्नी ,रेशमी बंधन रक्षाबंधन आदि। इसके अतिरिक्त इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन, इंडिया स्टार गोल्डन अवार्ड, इंटरनेशनल फायरबोक्स अचीवर अवार्ड, राष्ट्रीय नवभारत ज्ञानपीठ द्वारा क्वालिटी इंडिया रिकॉर्ड, हसदेव अलंकरण, स्वर्गीय रुद्र प्रसाद रूप साहित्यिक सम्मान, काव्यकला सेवा संस्थान द्वारा मीरा बाई साहित्य सम्मान, शिक्षक रत्न सम्मान, दुर्गा साहित्य सम्मान 2024, साहित्य साधक सम्मान, महादेवी वर्मा सम्मान, परशुराम सम्मान, अटल काव्य सम्मान, राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार, सोनहा सुरता द्वारा साहित्य रत्न सम्मान, छ.ग. राज्य स्तरीय युवा उत्सव में काव्य लेखन में प्रथम स्थान, कोरिया साहित्य महोत्सव में साहित्यिक सम्मान, कोरिया रचना साहित्य मंच एवं विभिन्न साहित्यिक संस्थानों, शासकीय, गैर शासकीय मंचों द्वारा विविध सम्मान से सम्मानित की जा चुकी हैं।

क्या भाजपा जिलाध्यक्ष बदलने का असर चाय दुकान पर दिखा ?

- क्या भाजपा जिलाध्यक्ष के पुत्र की चाय दुकान की भी होगी नीलामी ?
- जिलाध्यक्ष की घोषणा की एक दिन पहले से ही चाय दुकान हुई बंद

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,07 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

बैकुंठपुर जिला मुख्यालय में कोरिया जिले के भाजपा जिलाध्यक्ष के रूप में देवेंद्र तिवारी के मनोनयन के बाद से ही यह चर्चा काफी जोर पकड़ चुकी है कि क्या उनके जिलाध्यक्ष बनते ही पूर्व जिलाध्यक्ष के पुत्र की चाय दुकान बंद हो गई या उनके जिलाध्यक्ष बनने की संभावनाओं के बीच मनोनयन के पूर्व ही दुकान बंद हो गई ?

बताया जा रहा है तीन चार दिनों से चाय दुकान बंद है और अब शायद बंद ही रहे क्योंकि जिलाध्यक्ष की कुर्सी जाते ही नए जिलाध्यक्ष शायद ऐसी अनुमति न दें कि कोई जिला पदाधिकारी या संगठन सदस्य कार्यालय के परिसर व्यवसायिक में व्यवसाय कार्य करे और उसके लिए वह पद की धमक दिखाए। भाजपा कार्यालय के व्यावसायिक परिसर में कई दुकानें किराए से संचालित हैं लेकिन पूर्व जिलाध्यक्ष के पुत्र की चाय दुकान उनके जिलाध्यक्ष कार्यकाल के बाद से ही स्थापित हुआ था और तभी से उसका अंदरूनी विरोध था।

अब नए जिलाध्यक्ष शायद अंदरूनी विरोध के कारण खुद दुकान न खोलने कह दें इसलिए ही दुकान पहले से बंद कर दिया गया है ऐसा माना जा रहा है। वैसे सच्चाई क्या है इसकी कोई पुष्टि करना जल्दबाजी होगी फिर भी आम चर्चा है कि पूर्व जिलाध्यक्ष के पुत्र की चाय दुकान अब समीक्षा उपरांत या नए जिलाध्यक्ष की अनुमति उपरांत ही खुलेगी वह आज भी खुल सकती है या आगे भी खबर के बाद या फिर और आगे।

छत्तीसगढ़ में शराब प्रेमियों को नहीं मिल रही मनपसंद शराब...

एमपी का शराब आ रहा है शराब प्रेमियों को ज्यादा पसंद

- 20 से अधिक शराब के ब्रांड नहीं है छत्तीसगढ़ के सरकारी शराब दुकानों में
- शराब प्रेमियों के मध्य प्रदेश की शराब में अब दिखने लगी दिलचस्पी जिससे छत्तीसगढ़ के शराब बिक्री में आ सकती है गिरावट

- रवि सिंह -
मनेंद्रगढ़,07 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

मिलावट से तो छत्तीसगढ़ के शराब प्रेमी परेशान है ही अब उनके साथ दूसरी समस्या आ चुकी है ब्रांडेड शराब न मिलने की,यही वजह है कि छत्तीसगढ़ के शराब प्रेमियों को अब अपने पड़ोसी राज्य यानी कि मध्य प्रदेश की शराब पर निर्भर होना पड़ रहा है, उन्हें अपने प्रदेश की शराब से ज्यादा पसंद अब अपने पड़ोसी राज्य की शराब आ रही है, यही वजह है कि वह छत्तीसगढ़ की शराब पीने से ज्यादा मध्य प्रदेश की शराब पीना ज्यादा पसंद कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें वहां के शराब में मिलावट न होना के साथ ही उन्हें मनपसंद ब्रांड भी मिल जा रहा है, ऐसे में छत्तीसगढ़ की शराब बिक्री पर असर पड़ सकता है पर क्या छत्तीसगढ़ इस समस्या को लेकर तैयार है या फिर आबकारी विभाग में ही कमी है या फिर कोई भ्रष्टाचार इस सरकार में भी होने वाला?

सूत्रों का दावा है की एमसीबी जिले की शराब दुकानों में करीब 15 से 20 ब्रांडेड शराब आउट आफ मार्केट हो गए हैं। यहां की शराब दुकानों में मनपसंद ब्रांड की शराब की आपूर्ति नहीं होने से बिक्री बाधित है जिसके चलते आबकारी विभाग को राजस्व भी प्रभावित हो रहा है। शराब दुकानों में मांग के अनुरूप ब्रांडेड शराब की आपूर्ति नहीं हो पा रही है, जिसके चलते दुकानों से बिक्री प्रभावित हो रही है। ग्राहकों के लगातार शिकायत के बावजूद आबकारी अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। लेकिन इसका स्थाई समाधान नहीं निकल पाया है। बताया जा रहा है कि ब्रांडेड शराब की आपूर्ति ठीक से नहीं होने से राजस्व लक्ष्य का तेजी से गिरता जा रहा है। आबकारी विभाग के दबाव नही होंने के कारण राजस्व बहुत कम आ रहा है।

नई उत्पाद नीति लागू होने के बाद से ही सवालों के घेरे में सरकार क्यों ?

छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में नई उत्पाद नीति के तहत शराब बेच रही है। नई उत्पाद नीति को लागू करने के पीछे उद्देश्य यह था कि राज्य में लोगों को नकली शराब न मिले, गुणवत्ता ठीक हो, जिसकी पूरी निगरानी होगी। इससे भी वृद्धि होगी। वर्तमान में स्थिति इससे विपरीत है। निगरानी के मानक अब तक पूरे नहीं हो सके, कई मनचाहे ब्रांड के लिए लोग इंतजार करते रह गए और राजस्व का भी हाल बेहाल है। जिला मुख्यालय सहित जिले के प्रायःसभी देशी-विदेशी शराब दुकानों में खुलेआम ओवर रेट में शराब बेचकर व ब्रांडेड शराब व बियर नही मिल पाने के साथ ही दुकानदारों द्वारा नये नाम के लोकल शराब देने के कारण ग्राहकों की जेब में डाका डालने का काम आबकारी विभाग की नाक के नीचे दुकान के कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद से लगातार मनपसंद ब्रांड नही मिलने, ओवर रेट में शराब बेचने का खेल जारी है। ओव्हर रेट में शराब बेचकर लाखों रुपए की अवैध कमाई की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया की आबकारी विभाग के जिम्मेदार अधिकारी को फोन पर सूचना देने पर भी कार्यवाही करने नहीं आते। और कोई सुनवाई नहीं होती। विभागीय अधिकारियों के संरक्षण के बिना शराब दुकान के कर्मचारी ऐसी हिमाकत नहीं कर सकते। जब से शासन द्वारा शराब को ठेका पध्दति से दूर किया है तब से एक ओर शराब के लिए ब्रांड को लेकर विवाद की स्थिति उतपन्न होती रहती है। सेल्समैनों की मनमानी की भी शिकायत लगातार सामने आती रहती है। ग्राहकों से अभद्रता व देशी व विदेशी शराब दुकानों में चिल्हर को लेकर सेल्समैनों की कांटामारी की शिकायतें भी सामने आती रहती है। इस तरह की मनमानी को लेकर कभी भी कोई बडी घटना घटित हो सकती है।

शराब दुकानों में नही मनचाहा ब्रांड, होता है विवाद

एमसीबी जिला की हालत यह है कि हाई रेंज की शराब व बियर नहीं मिलने से बिक्री भी प्रभावित हो रही है रॉयल चैलेंज, ब्लैक लेबल, ब्लू लेबल, एंटीक्विटी, रॉयल चैलेंज, वाइन व फास्टर,किंगफिशर, 5000, थंडर बोल्ट जैसे ब्रांड की बोतल उपलब्ध नही है। इसके साथ ही मध्यम रेंज की शराब रायल स्टेग, ब्लेंडर प्राइड, आईबी, मेकडल नम्बर वन दुकान से नदारद है। शराब प्रेमियों को पसंदीदा ब्रांड नही मिल पाने से एतराज भी जता रहे है।

मध्यप्रदेश की शराब में ले रहे रुचि

मनेंद्रगढ़ में शराब प्रेमियों को शासकीय शराब दुकान में मनपसंद ब्रांड नही मिलने से शराब प्रेमियों द्वारा मध्यप्रदेश की शराब लेकर पी रहे। शहर में कोचियों द्वारा शराब प्रेमियों को उनकी मनपसंद ब्रांड उपलब्ध कराई जा रही।जिस वजह से अवैध शराब की बिक्री करने वालो की दिन पर दिन बढ़ोतरी होती जा रही है।और अवैध शराब की बिक्री से छत्तीसगढ़ सरकार को लाखो रुपए की राजस्व की भी हानि हो रही है।समय रहते इस ओर जिम्मेदार अधिकारियों को ध्यान देने की आवश्यकता है।ताकि सरकार को राजस्व की हानि से बचाया जा सके।

आबकारी विभाग की नही दिखी कोई बड़ी कार्यवाही-पिछले कुछ सालो पर नजर डाली जाए तो आबकारी विभाग की ऐसी कोई बड़ी मध्यप्रदेश की अवैध शराब पर कार्यवाही की गई हो।जिस वजह से भी मध्यप्रदेश की शराब मनेंद्रगढ़ के हर एक वार्ड में खुलेआम बेची जा रही है।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी
(रा0) धौरपुर,जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

धौरपुर,दिनांक 06/01/2025

क्रमांक/15/खाद्य/आ0वि0अ0/2024 :: एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बतौली के शासकीय उचित मूल्य दुकान के संचालन हेतु इच्छुक एजेंसी जो छ0ग0 सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 के अंतर्गत संचालन हेतु पात्र हैं, वे अपना आवेदन पत्र विहित प्रारूप में संपूर्ण विवरण एवं दस्तावेज तथा पंजीयन प्रमाण पत्र, प्रस्ताव, काहर्यवाही पंजी, बैंक पास बुक की सत्यापित छायाप्रति के साथ आवेदन पत्र दिनांक 21/01/2025 तक कार्यालय अनुविभागी अधिकारी (रा0) धौरपुर में जमा कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 06/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर व पदमुद्रा से जारी।

(नीरज कौशिक)
अनुविभागीय अधिकारी
(रा0)धौरपुर

जी.नं.- 242505143/1

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड-बलरामपुर (छ0ग0)
E-mail : eebalram-phe-cg@nic.in

रूची की अभिव्यक्ति क्रं./05/ले.शा./ज.जी.मि./का.अ./लो.स्वा.यां.वि./2025
बलरामपुर,दिनांक - 02.01.2025

ऑन लाईन निविदा आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत Hire Vehicle on rent for PHE Division Balrampur under Jal Jeevan Mission के लिये रूची की अभिव्यक्ति हेतु निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती हैं:-

सि.नि.क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू.लाख में)
163812	24.00

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विववरण यथा धरोहर राशि, बिड,वैद्यता की तिथि कार्य की अवधि. निविदाकार की श्रेणी. एवं कार्यो तथा स्थल संबंधी जानकारी ऑन लाईन ई-प्रोक्युरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 06/01/2025 से देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 24/01/2025 तक बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जावेंगे। अतः निविदाकार ऑन लाईन निविदा प्रक्रिया में सतत संपर्क में रहें। अन्य विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड बलरामपुर में देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड-बलरामपुर (छ0ग0)

जी.नं.- 242505131/1

CMYK

क्षेत्र के ग्रामीण लगा रहे हैं जंगल को बचाने की गुहार

विनाश के कगार पर है कौडीमार बीट का वन क्षेत्र चिरमिरी वन अमले की उदासीनता एवं लापरवाही से वनों कि हो रही है अंधाधुंध कटाई

- राजेन्द्र शर्मा -
खड़गवां,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

वन मंडल कोरिया के चिरमिरी वन परिक्षेत्र के कौडीमार वन क्षेत्र में वन कर्मी एवं डिप्टी रेंजर की लापरवाही के कारण कौमीमार बीट वन क्षेत्र ठूंठ में तब्दील हो रहा है।

जबकि वन विभाग पर वनों के रक्षा का दायित्व है, परन्तु वन कौडीमार (छोटे कलुआ) के वन कर्मी डिप्टी रेंजर की हठधर्मिता और कार्यो के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता से कौडीमार बीट क्षेत्र के वनों को भारी नुकसान पहुँच रहा है। ऐसे में लापरवाह अधिकारी, वन कर्मियों के निठल्लेपन से वन माफियाओं की चांदी हो गई है। विभागीय अमला कार्यालय बैठे-बैठे अपना कर्तव्यपालन कर रहे है। इस पर आला अफसरों का नियंत्रण दूर- दूर तक देखने को नही मिल रहा है। जिससे वनों के विनाश का क्रम चल रहा है।

वन व प्राकृतिक संपदा से वन मंडल कोरिया के चिरमिरी वन परिक्षेत्र में वनों पर एक बार फिर विनाश के बादल मंडरा रहा है।

कौडीमार बीट वन क्षेत्र में हसदेव नदी पर पुल निर्माण कार्य शिवानी कंस्ट्रक्शन के द्वारा किया जा रहा है जहां वन भूमि पर लगे छोटे बड़े झाड़ के जंगल को पुल निर्माण कार्य करने वाले शिवानी कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार ने अपनी आगोश में लेकर विनाश कर दिया है वन परिक्षेत्र के छोटे बड़े सैकड़ों पेड़ों को क्षतिग्रस्त कर मिट्टी की खोदाई भी किया गया है।

हरे भरे पेड़ों का बड़े ही बेरहमी से मशीन से काटा गया है और उस पेड़ों को जलाऊ लकड़ी बनाया जा रहा है।

और कुछ वन माफियाओ के चक्कर मे हरे- भरे, छोटे पेड़ों को बेदर्दी से काटकर जंगल का उजाड़ कर रहे है। वनों की अवैध कटाई के बारे में जानकारी वन विभाग के छोटे- बड़े फील्ड के नौकरशाहों को भी है, लेकिन उच्चाधिकारी के पकड़ से बाहर होने का फायदा उठाकर इस ओर ध्यान नही दे रहे है। जबकि करोड़ो रूपये प्रतिवर्ष खर्च कर वन बचाने की सरकार की मंशा पर पानी फिरता जा रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण उदाहरण वन परिक्षेत्र चिरमिरी कार्यालय से महज आठ किलोमीटर की दूरी पर छोटे कलुआ के कौडीमार के जंगल मे देखा जा सकता है।

पुल निर्माण कार्य करने वाले शिवानी कंस्ट्रक्शन के द्वारा जंगल के छोटे बड़े पेड़ो की अंधाधुंध कटाई कर उजाड़ किया जा रहा है। पेड़ो को काटने के बाद बड़े पेड़ों की लकड़ीओ को काटाकर जलाऊ लकड़ी बना रहा है।

स्थानीय सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि वन कर्मी एवं डिप्टी रेंजर कभी वन क्षेत्र में भ्रमण के लिए आते ही नहीं है तो उन्हें वन क्षेत्र में क्या हो रहा है कैसे जानकारी होगी।

पूर्व पदस्थ रहे परिक्षेत्राधिकारियों के सक्रियता से यह जंगल पूरी तरह सुरक्षित रहा है, किन्तु वर्तमान पदस्थ वन कर्मी एवं डिप्टी रेंजर के निष्क्रियतापन से वनों की कटाई और वनभूमि पर अवैध कब्जे करने वालो को मानो छूट मिल गया है। इसका अंदाजा छोटे कलुआ एवं कौडीमार के जंगल मे दिख रहे अनगिनत ठूंठ से लगाया जा सकता है। वनों के संरक्षण, संवर्धन के नाम पर छोटे कलुआ बीट का वन अमला सरकार से मोटी तनख्वाह ले रहा है परंतु अधिकारी जहां कार्यालय के वातानुकुलित कक्ष में तो कर्मचारी घर बैठे अपने- अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए उजड़ रहे वनों की सुरक्षा के नाम पर वन मंत्रालय छत्तीसगढ़ को चूना लगा रहे है।

इस संबंध पर जानकारी देने और प्रतिक्रिया जानने जब चिरमिरी वन परिक्षेत्राधिकारी से फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने ने फोन ही नहीं उठाया।

छोटे कलुआ बीट के वन कर्मी सत्य प्रकाश सिंह से फोन कर संपर्क करने की कई बार कोशिश कि गई उन्होंने भी फोन नहीं उठाया।

एस डी सिंह
वन परिक्षेत्राधिकारी चिरमिरी

लापरवाही पूर्वक खतरनाक ढंग से लोकमार्ग बाधित किये जाने क़े मामले मे सरगुजा पुलिस की सख्त कार्यवाही जारी,3 मामलों में प्रकरण किये गए दर्ज

- » थाना उदयपुर पुलिस टीम द्वारा आरोपी वाहन चालकों कों गिरफ्तार कर की गई अग्रिम वैधानिक कार्यवाही
- » वाहन चालकों क़े कब्जे से घटना में प्रयुक्त 03 नग भारी वाहन किया गया जप्त
- » सरगुजा पुलिस द्वारा भविष्य मे भी ऐसे वाहन चालकों के विरुद्ध सख्ती के साथ अभियान चलाकर की जायगी कार्यवाही

- संवाददाता -
सूरजपुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा आमनागरिकों के हित मे लगातार कार्यवाही की जा रही हैं, इसी क्रम मे मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि लोकमार्ग मे भारी वाहन चालकों द्वारा अपनी वाहनों कों सड़को के किनारे या आसपास खड़ी कर दिया जाता हैं, जिससे आमनागरिकों कों यातायात की समस्या के साथ आमजनों के जीवन मे संकटापन्न की स्थिति उत्पन्न हो जाती हैं, ऐसे मामलो मे सखूती से निपटने के लिए सरगुजा पुलिस द्वारा लगातार सखूती से कार्यवाही करते हुए थाना उदयपुर द्वारा लोकमार्ग मे खड़े भारी वाहनो पर 03 प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की गई हैं।

वाहन चालकों द्वारा लापरवाही पूर्वक खतरनाक ढंग से लोकमार्ग मे भारी वाहन खड़ी कर लोकमार्ग बाधित करने पर थाना उदयपुर अंतर्गत कोटेरबुड़ा मोड़ राष्ट्रीय राजमार्ग मे आरोपी (01) लखविंदर सिंह उम्र 40 वर्ष साकिन पण्डरी थाना सिमरापाल जिला बस्तर द्वारा भारी वाहन ट्रक क्रमांक सीजी /04/जे बी /1231 खड़ी करने पर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 03/25 धारा 285 बी.एन.एस. का अपराध दर्ज किया गया हैं, थाना उदयपुर के दूसरे प्रकरण मे डांडगाँव प्रिंस ढाबा के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग में आरोपी (02) मंजर अंसारी उम्र 32 वर्ष साकिन कंचनपुर थाना रंका जिला गढ़वा द्वारा भारी वाहन ट्रक क्रमांक सीजी/15/ई एफ / 7204 खड़ी करने पर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 04/25 धारा 285 बी.एन.एस. का अपराध दर्ज किया गया हैं, थाना उदयपुर के तीसरे प्रकरण मे गुमगा डाहीमार के पास राष्ट्रीय राजमार्ग में आरोपी (03) शैलेन्द्र कुमार उम्र 52 वर्ष साकिन हरिचन्दापुर थाना गजनेर कानपुर उत्तरप्रदेश द्वारा भारी वाहन कंटेनर क्रमांक एच आर /55 /ए एन / 4201 खड़ी करने पर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 05/25 धारा 285 बी.एन.एस. का अपराध दर्ज किया गया हैं, तीनो मामलो मे पुलिस टीम द्वारा लोकमार्ग मे खड़ी भारी वाहनों कों जप्त किया गया हैं, उसके साथ ही मामले के आरोपियों कों प्रकरण सदर मे पूछताछ किया गया जो आरोपियों द्वारा घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर मामले मे अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की गई हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी उदयपुर निरीक्षक कुमारी चंद्राकर, उप निरीक्षक सहदेव वर्मन, प्रधान आरक्षक सरजू राम राजवाड़े, प्रधान आरक्षक राजनाथ, महिला आरक्षक सुलक्षणा मानिकपुरी, आरक्षक देवेंद्र सिंह, विजय सिंह, विवेक सिंह सैनिक नन्दलाल सक्रिय रहे।

फार्म रजिस्ट्री योजना के लिए ऑडिटोरियम में आयोजित की गई कार्यशाला

- संवाददाता -
सूरजपुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

आज कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन के निर्देश के अनुपालन व अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर की अध्यक्षता में शासन के स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत वय वंदना योजना , मत्स्य पालन विभाग अंतर्गत एफएमडीपी योजना,कृषि विभाग अंतर्गत फार्म रजिस्ट्री योजना के लिए कार्यशाला एवं बैठक ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया था।इस कार्यशाला में लगभग 300 वीएलई शामिल हुए थे। जिसे अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर द्वारा महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए । इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग डीपीएम श्री डॉ प्रिंस जायसवाल एवं आयुष्मान प्रभारी श्री नसीम,मत्स्य विभाग से श्री एम.एस. सोनवानी,कृषि विभाग से श्री भार्या सर,सीएससी डीएम श्री एन.डी.तिवारी एवं आयोजनकर्ता ईडीएम श्री सुमित सिंह उपस्थित थे ।

सरगुजा में भाजपा कार्यकर्ताओं की नई उम्मीद बने भारत सिंह सिसोदिया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

कल सरगुजा जिला भाजपा के नए जिलाध्यक्ष के रूप में भाजपा के तेजतर्रार युवा नेता भारत सिंह सिसोदिया के निर्वाचन के समय भाजपा कार्यालय संकल्प भवन में उमड़ी भाजपा कार्यकर्ताओं की अनियंत्रित भीड़ कुछ ऐसा संदेश दे गई जिसे राजनीतिक विश्लेषक व प्रेस मीडिया के समीक्षक समझने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा जिला संगठन चुनाव प्रभारी गुरुपाल सिंह भल्ला के मुख से भारत सिंह सिसोदिया का नाम सुनते ही जिस प्रकार का शोर अंबिकापुर के भाजपा कार्यालय में गूंजा तथा जोशो-खरोश में भाजपा जिंदाबाद के नारे लगाते कार्यकर्ताओं के उल्लासित चेहरे जो नज़र आए वो बरसों बरस याद किए जाएंगे। अपने नए जिलाध्यक्ष को फूल मालाओं से लादने और उनके साथ सैल्फ़ी फोटो खिंचवाने की ऐसी होड़ कार्यालय में पहले कभी नहीं देखी गई। क्या सरगुजा में भाजपा कार्यकर्ताओं की नई उम्मीद हैं भारत सिंह सिसोदिया ? कहीं भारत सिंह वही नेतृत्व तो नहीं जिसे सरगुजा के आम भाजपा कार्यकर्ता वर्षों से तलाश रहे थे ? लगभग डेढ़ दशक पूर्व सरगुजा भाजपा के दबंग जिलाध्यक्ष रहे पूर्व विधायक स्वर्गीय रविशंकर त्रिपाठी की असमय मृत्यु के बाद से जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हमेशा से एक सबल नेतृत्व का अभाव सा महसूस किया जाता रहा है। शायद सरगुजा के भाजपा कार्यकर्ता दशकों से एक मजबूत खूंटे की बाट जोह रहे थे जो उनके दुःख-सुख व परेशानियों में खड़ा हो सके। भाजपा युवा नेता भारत सिंह सिसोदिया के जिलाध्यक्ष निर्वाचन के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं के इस अतिउत्साहपूर्ण प्रदर्शन को यदि उस कमी की पूर्ति की रूप में देखा जाए तो ये गलत नहीं होगा। वैसे युवाओं के बीच खासे लोकप्रिय भारत सिंह की छवि एक तेजतर्रार नेता के रूप में रही है जो सही को सही और गलत को गलत कहने का माद्दा रखते हैं। उनकी लोकप्रियता में बहुत बड़ा योगदान उनके द्वारा स्थापित गणपति धाम समिति का भी है। नगर के समीप स्थित महामाया पहाड़ पर गणपति धाम की स्थापना तथा प्रत्येक वर्ष शहर के गणपति पंडालों को जोड़कर गणपति प्रतिमा विसर्जन का भव्य कार्यक्रम उनकी अगुवाई में होता रहा है जिससे हजारों युवा सीधे उनसे जुड़े हुए हैं। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद सरगुजा में भाजपा संगठन के इतिहास पर यदि नज़र डालें तो केबिनेट मंत्री राम विचार नेताम, पूर्व विधायक स्वर्गीय रविशंकर त्रिपाठी, राम किशुन सिंह, अजय गोयल, कमलभान सिंह, अखिलेश सोनी तथा ललन प्रताप सिंह के बाद आठवें जिलाध्यक्ष हैं भारत सिंह सिसोदिया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करने वाले भारत सिंह अब तक युवा मोर्चा, किसान मोर्चा, तथा प्रदेश भाजपा में विभिन्न दायित्वों पर रहे हैं परंतु भाजपा जिलाध्यक्ष के रूप में उन्हें अब तक की सबसे महत्वपूर्ण जवाबदारी मिली है। उनके ऊपर आने वाले नगरीय निकाय तथा पंचायत चुनावों में एक ओर जहां बीजेपी का परचम लहराने की सबसे कठिन चुनौती है वहीं दूसरी ओर भाजपा कार्यकर्ताओं की उम्मीदों पर खरा उतरने का चैलेंज भी है।

बहरहाल, देखना है सरगुजा भाजपा का नया नेतृत्व आने वाले समय में जमीन पर क्या कमाल करता है। अपने नए जिलाध्यक्ष के साथ नया साल सरगुजा भाजपा के लिए नई ऊंचाइयां प्रदान करने वाला हो। शुभकामनाएं !

नाबालिग को बहला फुसलाकार भगा ले जाकर जबरन दुष्कर्म के मामले में सरगुजा पुलिस की त्वरित कार्यवाही,मामले का आरोपी किया गया गिरफ्तार

- » नाबालिग को बहला फुसलाकार भगा ले जाकर जबरन दुष्कर्म के मामले में सरगुजा पुलिस की त्वरित कार्यवाही, मामले का आरोपी किया गया गिरफ्तार
- » थाना सीतापुर पुलिस टीम द्वारा मामले में आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही
- » पुलिस टीम द्वारा मामले में त्वरित कायवाही करते हुए पीड़िता को किया गया बरामद
- » नाबालिग सम्बन्धी अपराधों मे सरगुजा पुलिस द्वारा की जा रही लगातार सख्त कार्यवाही

- संवाददाता -
सीतपुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा नाबालिग सम्बन्धी अपराधों मे शामिल आरोपियों पर लगातार सख्ती से कार्यवाही कर धरपकड़ की जा रही हैं, इसी क्रम मे मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैं प्रार्थी दिनांक 04/01/25 को थाना सीतापुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि घटना दिनांक 02/01/25 के शाम कों प्रार्थी की नाबालिग लड़की अपने घर से बिना किसी को कुछ बताये कही चली गई हैं, जो अभी तक वापस नही आई हैं,आस पड़ोस रिश्तेदारो में पता तलाश करने पर भी पता नही चल रहा हैं, प्रार्थी द्वारा शंका व्यक्त किया गया हैं कि प्रार्थी की नाबालिग लड़की कों कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसला कर भगाकर ले गया हैं। मामले मे प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना सीतापुर मे अपराध क्रमांक 11/25 धारा 137 (2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा नाबालिग का पता तलाश किया जा रहा था, दौरान पता तलाश नाबालिग कों ग्राम मज़गाँव थाना बगीचा जशपुर से आरोपी जनक साय उर्फ़ जनक राम के कब्जे से बरामद कर मामले मे अग्रिम कार्यवाही करते हुए महिला अधिकारी द्वारा नाबालिग से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किया गया जो पीड़िता बताई कि आरोपी जनक राम पीड़िता कों शादी करने का प्रलोभन देकर पीड़िता से जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया गया हैं, पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी कों हिरासत मे लेकर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम जनक साय उर्फ़ जनक राम उम्र 22 वर्ष साकिन मजगाव थाना बगीचा जिला जशपुर का होना बताया आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर पीड़िता कों बहला फुसला कर शादी करने का प्रलोभन देकर जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे 87, 64(2)(एम) बी.एन.एस. एवं पोक्सो एक्ट की धारा 4, 6 जोड़कर आरोपी कों गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी सीतापुर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, उप निरीक्षक रघुराम भगत, आरक्षक धनकेश्वर यादव, संजय एक्का, मनोहर पैकरा, परमित भगत सक्रिय रहे।

मोटरसायकल सवार टैंकर से भिड़े,एक युवती की दर्दनाक मौत

- » घायल युवक-युवती को चिकित्सक ने हायर सेंटर रेफर किया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

मोटरसायकल सवार एक युवक और दो युवती तेज रफ्तार में गौरव पथ से जा रही टैंकर से भिड़ गए। हादसे में एक युवती की दर्दनाक मौत हो गई। घायल युवक-युवती को मेडिकल कॉलेज अस्पताल से रेफर कर दिया गया है। घटना का खौफनाक नजारा सीसीटीवी में कैद हो गया है।

जानकारी के मुताबिक दरिमा थाना क्षेत्र के नवापारा की पिंकी मुंडा पिता स्व. मुंगुर 20 वर्ष बिशुनपुर अंबिकापुर में रहने वाले अपने चाचा-चाची के यहां आई थी। रविवार की रात को वह अपनी चचेरी बहन शिवानी मुंडा के साथ शादी में जाने की बात कहकर निकली थी। राहुल नामक युवक के साथ मोटरसायकल में बैठकर तीनों जा रहे थे। गंगापुर की ओर से शासकीय कन्या महाविद्यालय व गौरव पथ को जोड़ने वाले मार्ग में वे काफी तीव्र रफ्तार में पहुंचे और रास्ते से जा रहे टैंकर से भिड़ गए। हादसे में पिंकी मुंडा के सिर से होते टैंकर का चक्का गुजर गया, जिसमें उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी। वहीं राहुल और शिवानी छिटककर दूर गिर गए थे, जिस कारण उन्हें गंभीर चोटें आई है। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर बस स्टैंड और गांधीनगर थाना पुलिस पहुंची। घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पहुंचाया गया। घटना की सूचना पर युवक-युवतियों के स्वजन भी अस्पताल पहुंच गए थे। प्राथमिक उपचार के घायल राहुल और शिवानी को गंभीरन स्थिति में रेफर कर दिया गया है। मृत पिंकी के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया गया है।

रोहित और कोहली का टेस्ट में भविष्य चयनकर्ताओं पर निर्भर: गावस्कर

सिडनी (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने पिछले छह महीनों में टीम के खराब प्रदर्शन की गहन समीक्षा करने की वकालत करते हुए कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट में भविष्य अब पूरी तरह से चयनकर्ताओं के हाथ में है।

गावस्कर ने एक साक्षात्कार में रोहित और कोहली के भविष्य को लेकर चल रही बहस के संदर्भ में कहा, ''वे कितने समय तक टीम में रहेंगे यह वास्तव में चयनकर्ताओं पर निर्भर है। अब जबकि भारत डब्ल्यूटीसी (विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा है तो उन कारणों पर विचार करना उचित होगा कि ऐसा क्यों हुआ।'

डब्ल्यूटीसी की शुरुआत के बाद यह पहली बार है जबकि भारत इसके फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहा। वह रविवार को समाप्त हुई बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया से 1-3 से हार के बाद फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया। भारत को इस हार के कारण पिछले एक दशक में पहली बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से हाथ धोना पड़ा। उसकी पराजय का मुख्य कारण बल्लेबाजों का खराब प्रदर्शन रहा। रोहित और कोहली भारतीय बल्लेबाजी की कमजोर कड़ी साबित हुए।

कोहली ने 9 पारियों में एक नाबाद शतक सहित 190 रन बनाए, जबकि रोहित ने पांच पारियों में केवल 31 रन बनाए। गावस्कर ने टीम के बल्लेबाजों की बार-बार विफलता की ओर इशारा करते हुए कहा, 'यह स्पष्ट है कि पिछले छह महीनों में हमारी बल्लेबाजी विफल रही और यही मुख्य कारण था कि हम उन मैच में भी हार गए जो हमें जीतने चाहिए थे।'

इस पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'इसलिए अगर इंग्लैंड में जून में शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी के नए चक्र के लिए टीम में बदलाव की जरूरत है तो उम्मीद है कि चयनकर्ता इस बात पर गौर करेंगे कि 2027 में फाइनल तक कौन खिलाड़ी टीम में रहेगा और उसके अनुसार चयन करेंगे।% गावस्कर ने किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया लेकिन कहा कि घरेलू क्रिकेट में कुछ खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और अब उन्हें उचित मौका देने की जिम्मेदारी चयनकर्ताओं पर है। उन्होंने कहा, 'जब तक उन्हें मौका नहीं दिया जाएगा तो हमें कैसे पता चलेगा कि रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे?'

गावस्कर ने नितीश कुमार रेड्डी जैसी प्रतिभा को सामने लाने के लिए चयन समिति की भी सराहना की। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के जिन तीन बल्लेबाजों ने शतक लगाए उनमें रेड्डी भी शामिल थे। शतक लगाने वाले अन्य बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कोहली थे। उन्होंने कहा, 'नितीश कुमार रेड्डी में क्षमता देखने और उसे टेस्ट टीम में चुनने के लिए अजीत अगरकर और उनकी टीम को बधाई।'

गावस्कर ने गेंदबाजी के बारे में कहा कि भारत के पास पर्याप्त प्रतिभा है, जिसे अपेक्षित अवसर दिए जाने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जसप्रीत बुमराह जैसे स्टार खिलाड़ी पर जरूरत से ज्यादा बोझ न पड़े। उन्होंने कहा, 'भारत के पास कई होनहार तेज गेंदबाज हैं जो मौके का इंतजार कर रहे हैं। बुमराह पर ज्यादा बोझ नहीं डाला जाना चाहिए और अगर अन्य गेंदबाज भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं तो हमारे पास एक ऐसा आक्रमण हो सकता है जो किसी भी परिस्थिति में मैच जीत सकता है।'

भारतीय क्रिकेट में स्टार खिलाड़ियों को सिर पर बिठाए रखने की संस्कृति रही है जिसे समय-समय पर बड़ी समस्या माना जाता है लेकिन गावस्कर ने कहा कि किसी भी खिलाड़ी के लिए अपने पांव जमीन पर बनाए रखना मुश्किल काम नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम हर दिन दर्पण में अपना चेहरा देखते हैं और चूंकि हम अपने साथ ऐसा करते हैं, इसलिए हम वर्षों में आए बदलावों पर ध्यान नहीं देते हैं। केवल जब हम पहले के दिनों की तस्वीरें या वीडियो देखते हैं तब हमें बदलाव के बारे में पता चलता है। इसके बाद हम सबसे अच्छा दिखने के लिए जरूरी बदलाव करने पर ध्यान देते हैं लेकिन ऐसा करने के लिए पूरी तरह से ईमानदार होना जरूरी है।'

छह साल के तैराक रेयांश ने बनाया विश्व रिकार्ड, समुद्र में 15 किलोमीटर की दूरी तय की

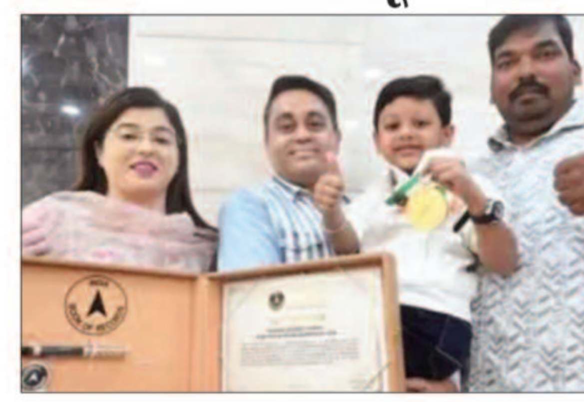

ठाणे (एजेंसी)। मुम्बई के ठाणे में रहने वाले छह साल के रेयांश खामकर ने समुद्र में समुद्र में 15 किलोमीटर तैरकर नया विश्व रिकार्ड अपने नाम किया है। रेयांश ने विजयदुर्ग में मालपे जेट्टी से वाघोटन जेट्टी तक की 15 किलोमीटर की दूरी तीन घंटे में पूरी की। इस नन्हे से तैराक की इस उपलब्धि को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी शामिल कयिा गया है। रेयांश के कोच स्टारफिश स्पोर्ट्स फाउंडेशन के कैलाश अखाड़े हैं। रेयांश ने अपने पहले प्रयास में ही यह दूरी तय कर ली। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ए. आशीष शेलार, ठाणे जिला एमेच्योर तैराकी संघ के अध्यक्ष निरंजन डावखरे और महाराष्ट्र राज्य एमेच्योर तैराकी संघ के उपाध्यक्ष राजेश मोरे ने इस रेयांया की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जव भविष्य की उम्मीद जतायी है।

अब 2027 में होने वाले वाला डब्ल्यूटीसी फाइनल रहेगा भारतीय टीम का लक्ष्य

-इंग्लैंड और न्यूजीलैंड में सीरीज रहेंगी अहम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025 से बाहर हो गयी है। ऐसे में अब उसका लक्ष्य 2027 में होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल पर ध्यान देना रहेगा। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 सत्र की शुरुआत इसी साल जून में होगी। भारतीय टीम को इसके तहत सबसे पहले जून में इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज खेलनी है। दोनो ही टीमों के बीच 20 जून से पहला टेस्ट लीड्स में खेला जाएगा। इंग्लैंड से वापसी के बाद भारतीय क्रिकेट टीम इस साल दो घरेलू टेस्ट सीरीज वेस्टइंडीज और श्रीलंका से खेलेगी। भारतीय टीम को डब्ल्यूटीसी के साल 2025-27 सत्र के तहत इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के दौरे पर जाना है। इसमें से इंग्लैंड और न्यूजीलैंड में भारत का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। इसलिए उसे डब्ल्यूटीसी 2025-27 के फाइनल में पहुंचने इंग्लैंड और न्यूजीलैंड में सीरीज जीतनी या ड्रॉ करनी होगी। वहीं अगर वह हारी तो बाहर हो जाएगी। डब्ल्यूटीसी 2025-27 के फाइनल में पहुंचने के लिए किसी भी टीम को तकरीबन 60 फीसदी मैच जीतने होंगे।भारतीय टीम को विश्वप टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के कार्यक्रम में 6 सीरीज खेलनी हैं। जिसमें कुल 18 मैच खेले जाएंगे। भारतीय टीम को इनमें से 9 मैच अपनी धरती पर जबकि 9 विदेशी धरती पर खेलने हैं। भारतीय टीम इन 18 मैचों में से 10 मैच इंग्लैंड और 8 मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम 2026-27 में भारत का दौरा करेगी।

दक्षिण अफ्रीका ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज में पाकिस्तान का किया सूपड़ा साफ

केपटाउन (एजेंसी)। कगिसो रबाड़ा, केशव महाराज (तीन-तीन विकेट) और मार्को यानसन (दो विकेट) के बाद डेविड बेडिंघम (नाबाद 44) रनों की शानदार पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने आज दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन पाकिस्तान को 10 विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका दो मैचों की श्रृंखला में पाकिस्तान का सूपड़ा साफ कर दिया है।

दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को दूसरी पारी में 478 के स्कोर पर समेटने के बाद मिले 58 रनों के लक्ष्य को बिना कोई विकेट खोए 7.1 ओवर में हासिल कर लिया। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की डेविड बेडिंघम और एडन मारक्रम की सलामी जोड़ी शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। डेविड बेडिंघम ने 30 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुये (नाबाद44) रन बनाये। वहीं एडन मारक्रम 13 गेंदों में (14) रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में 61 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से जीता। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। दूसरे टेस्ट में 259 रनों की शानदार पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के रायन रिकलटन को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और सीरीज में 80 रन देकर 10 विकेट लेने वाले मार्को यानसन को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया। आज यहां पाकिस्तान ने कल के एक विकेट पर 213 रनों से आगे खेलना शुरु किया। मार्को यानसन ने खुर्रम शहजाद (18) को आउट कर पाकिस्तान को दूसरा झटका दिया।इसके बाद तो पाकिस्तान बल्लेबाजी लगातार अंतराल अपने विकेट गवांते चले गये। कामरान गुलाम (28), सऊद शकील (23), कप्तान शान मसूद (145) आगा सलमान (48) और मोहम्मद रिजवान (41), आमेर जमाल (34) तथा मीर हमजा (16) रन बनाकर आउट हुये। पाकिस्तान की पूरी टीम 122.1 ओवर में 478 के स्कोर पर सिमट गई। दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 58 रन बनाने का लक्ष्य मिला है। दक्षिण अफ्रीका के लिए कगिसो रबाड़ा, केशव महाराज ने तीन-तीन विकेट लिये और मार्को यानसन को दो विकेट मिले। वेना मफाका ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को पहली पारी में 194 के स्कोर पर सिमटने के बाद फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर किया था। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में रायन रिकलटन (259), तेम्बा बवूमा (106) और काइल वेरेन (100) रनों के महत्वपूर्ण योगदान से 615 रनों का स्कोर खड़ा किया था।

मंधाना की कप्तानी में आयरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

मुम्बई । स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में उतरेगी । वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है । आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की यह सीरीज 10 जनवरी से शुरू होगी और इसके सभी मैच राजकोट में खेले जायेंगे । हरमनप्रीत के अलावा तेज गेंदबाज रेनुका को भी आराम दिया गया है । रेणुका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों में 10 विकेट लिए थे । वह पीठ के स्ट्रेस फैक्चर से उबर रही हैं। भारतीय महिला टीम ने पिछले माह ही वेस्टइंडीज को टी20 सीरीज में 2-1 जबकि एकदिवसीय सीरीज में 3-0 से हराया था। इससे टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह आयरलैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी।

आयरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है : स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), तेजल हसबनिस, राघवी बिस्ट, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, टिटास साधु , साइमा ठाकोर, सयाली सतघरे ।

अपने सफल डेब्यू से उत्साहित है वेबस्टर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के युवा ऑलरांउड ब्यू वेबस्टर अपने शानदार डेब्यू को लेकर उत्साहित हैं। वेबस्टर ने भारतीय टीम के खिलाफ सिडनी टेस्ट में अपने पहले ही मैच में 57 और नाबाद 37 रन बनाए थे। इसके अलावा उन्होंने गेंदबाजी करते हुए शुभमन गिल का विकेट भी लिया था। वेबस्टर ने कहा, 'मेरे पास इस सफलता के लिए शब्द नहीं हैं। मुझे इस प्रकार के डेब्यू की उम्मीद नहीं थी। यह सपने जैसा पदार्पण मैच था। तीन दिन के भीतर जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे भरोसा है कि सभी इसका जश्न मना रहे होंगे। वेबस्टर ने अंतिम टेस्ट में वॉशिंगटन सुंदर पर चौका लगाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलायी थी और उन्होंने कहा कि इस पल को वह कभी नहीं भूलेंगे। इस खिलाड़ी ने कहा, 'उस समय हमें चार रन ही चाहिए थे और मैने जब चौका लगाया तो मुझे लगा कि आपको अपने देश के लिये चौका लगाकर विजयी रन बनाने के कितने मौके मिलते हैं। उन्होंने कहा, 'मैने तय कर लिया था कि चौका लगाऊंगा और लगा भी सका। यह शानदार पल था जिसे मैं कभी नहीं भुला सकूंगा। शायद ऐसा कभी दोबारा नहीं होगा। निर्णायक टेस्ट में चौका लगाकर जीत तक पहुंचना। इससे बेहतर क्या हो सकता है। गौरतलब है कि वेबस्टर को खराब फॉर्म से जूझ रहे मिचेल मार्श की जगह आखिरी टेस्ट के लिए टीम में जगह मिली थी।

भारत इस साल करेगा भाला फेंक प्रतियोगिता की मेजबानी, नीरज चोपड़ा सहित कई स्टार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने मंगलवार को बताया कि भारत संभवतः इस साल सितंबर में भाला फेंक की शीर्ष प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा जिसमें ओलंपिक स्वर्ण और रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा सहित कई स्टार खिलाड़ी भाग लेंगे।

यह आयोजन उन कई प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त है जिनकी मेजबानी के लिए भारत ने अपनी रुचि व्यक्त की है। इसमें 2029 में होने वाली विश्व चैंपियनशिप भी शामिल है। एएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने पुष्टि की कि भारत ने 2029 विश्व चैंपियनशिप और 2027 में होने वाली विश्व रिले प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए रुचि व्यक्त की है। एएफआई पिछले साल नवंबर में विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को की भारत यात्रा के दौरान पहले ही 2028 विश्व जूनियर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए अपनी रुचि व्यक्त कर चुका है।

पिछले 12 साल से एएफआई के अध्यक्ष रहे सुमरिवाला ने इस खेल महासंघ की वार्षिक आम बैठक के पहले दिन कहा, 'भारत इस साल के आखिर में भाला फेंक की एक शीर्ष प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा जिसमें दुनिया के चोटी के 10 खिलाड़ी भाग लेंगे।% उन्होंने कहा, 'नीरज चोपड़ा वहां होंगे। वह उस टीम का हिस्सा हैं जो इस प्रतियोगिता का आयोजन करेगी। जेएसडब्ल्यू, एक विदेशी फर्म और एएफआई मिलकर इस प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे हैं।' सुमरिवाला ने बाद में पीटीआई को बताया कि यह प्रतियोगिता सितंबर में आयोजित की जा सकती है।

सर्जरी के बाद इतनी सफल वापसी की उम्मीदें नहीं थी : राशिद

बुलावेयो । अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट में मिली 72 रनों की जीत पर खुशी जतायी है । राशिद ने इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 94 रन देकर चार और दूसरी पारी में 66 रन देकर सात विकेट लिए थे । राशि ने कहा कि उन्हें सर्जरी के बाद इस प्रकार की वापसी की उम्मीद नहीं थी । उन्होंने कहा, तीन साल बाद टेस्ट क्रिकेट में पीठ की सर्जरी से वापसी करते हुए खेलना मुश्किल था । जीत को लेकर उन्होंने कहा कि यह एक टीम का प्रयास है, जिस तरह से विरोधी टीम बल्लेबाजी में विफल रही उससे हम खेल में बढ़त हासिल करने में सफल रहे । राशिद ने रहमत शाह और युवा इज़मतुल्लाह के अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रशंसा की है । साथ ही कहा कि इन्होंने कठिन हालातों में अफगानिस्तान की दूसरी पारी को संभाला । उन्होंने कहा, जब टीम प्रयास करती है, तो आपके पास जीतने के अधिक अवसर होते हैं । जिस तरह से रहमत और इजमत ने बल्लेबाजी की, वह आसान नहीं था, खासकर इजमत के लिए जो डेब्यू पर पहली पारी में रन नहीं बना पाया था । इसके बाद जिस तरह से उसने दूसरी पारी में बल्लेबाजी की वह काफी शानदार था । दोनों की साझेदारी ने अफगानिस्तान की पारी को उबारा जिससे राशिद को मैच बचाने का अवसर मिला पाया ।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तेज गेंदबाजों के चयन को लेकर संशय में बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति के लिए अगले माह होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम चयन आसान नहीं होगा । चयनकर्ताओं के लिए सबसे ज्यादा परेशानी तेज गेंदबाजों के चयन की रहेगी । इसका कारण है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की एंठन से पीड़ित हैं जबकि एक साल से टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को लेकर भी संशय बना हुआ है। टीम के पास काफी बल्लेबाज और ऑलराउंडर हैं वह स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल हैं। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के लिए हार्दिक पंड्या, नीतीश रेड्डी और शिवम दुबे जैसे बल्लेबाज हैं । अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली फार्म से बाहर चल रहे हैं पर इनका चयन पक्का है । रोहित और शुभमन गिल पारी की शुरुआत करते हुए दिख सकते हैं। वहीं तीसरे नंबर पर विराट कोहली और चौथे नंबर पर ऋषभ पंत उतरेंगे । वहीं पांचवें नंबर के लिए टीम के पास केएल राहुल, श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी हैं। छठे से 11वें नंबर तक ऑलराउंडर और गेंदबाज उतरेंगे । ऑलराउंडर के लिए भारतीय टीम के पास रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान फिट होने पर जसप्रीत बुमराह संभालेंगे। इसके अलावा मोहम्मद शमी और अर्शदीप सिंह को भी अवसर मिल सकता है। बुमराह पीठ में एंठन से परेशान हैं और इससे वह कब तक उबर जाएंगे ये अभी पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है । वहीं मोहम्मद शमी भी फिटनेस हासिल करने के लिए घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं पर वह भी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं । ऐसे में अगर बुमराह और शमी फिट नहीं होते तो तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज करेंगे जबकि तीसरे तेज गेंदबाज के लिए हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, मुकेश कुमार, में से किसी एक को ये अवसर मिल सकता है ।

भारतीय टीम के नये कप्तान का फैसला बीसीसीआई के लिए आसान नहीं

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा जिस प्रकार से खराब फार्म से गुजर रहे हैं । उससे जून में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में उनका खेलना तय नहीं है । उनकी उम्र भी करीब 38 साल हो रही है और ऐसे में भारतीय टीम जून में इंग्लैंड के खिलाफ नये कप्तान के साथ उतर सकती है । भारतीय टीम को अब डब्लयूटीसी 2025-27 की तैयारी में लगना होगा और इसके लिए भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) को नये कप्तान पर फैसला करना होगा हालांकि ये इतना आसान नहीं होगा । भारतीय टीम एक दशक में पहली बार ऐसी स्थिति में है, जब उसे नया कप्तान चाहिए और उसके लिए उसके पास तीन विकल्प हैं । जिसमें पहला नाम जसप्रीत बुमराह का है । बमराह की कप्तानी में भारतीय टीम ने पर्थ टेस्ट जीताथा । उनके नाम पर सभी तैयार रहेंगे पर टीम प्रबंधन कार्यभार प्रबंधन के तहत उन्हें यह जिम्मेदारी से नहीं देना चाहेगा । बुमराह काम का बोझ बढ़ने के कारण दबाव में रहते हैं । पीठ में दर्द के कारण वह सिडनी टेस्ट में पूरे समय नहीं खेल पाये थे। इससे पहले भारतीय टीम मैनेजमेंट ने ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को भी फिटनेस के ही मामले को लेकर टी20 टीम की कप्तानी नहीं दी थी । इसका कारण है कि कि वे हर मैच में उपलब्ध नहीं रहते हैं। इसी आधार पर अच्छे रिकॉर्ड और अनुभवी के बावजूद हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को कप्तान बना दिया गया । ऐसे में बुमराह को भी टेस्ट टीम का नियमित कप्तान बनाए जाने की संभावना कम ही है। उन्हें कुछ वक्त के लिए यह जिम्मेदारी जरूर दी जा सकती है। अगर बुमराह को कप्तान नहीं बनाया जाता तो केएल राहुल और ऋषभ पंत कप्तानी की दौड़ में शामिल हो जाते हैं । इनमें केएल राहुल की अंतिम ग्याहर में जगह पक्की नहीं रहती है जो उनका कमजोर पक्ष है। तीसरा नाम ऋषभ पंत है परन गावस्कर ने मेलबर्न टेस्ट में लापरवाह बल्लेबाजी के लिए जिस प्रकार उन्हें फटकारा उससे लगता है कि उन्हें अपने खेल में और गंभीरता लाने की जरूरत है । प्रेस रोहित शर्मा ने भी कहा था कि उन्हें समझने की जरूरत है कि किस वक्त में कैसा खेलना है ।

शुभमन अगर तमिलनाडु से होता तो टीम इंडिया से बाहर होता

स्पोर्ट्स डेस्क । ऑस्ट्रेलिया में 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद युवा बल्लेबाज शुभमन गिल चौतरफा आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। गिल ऑस्ट्रेलिया में पांच पारियों में केवल 93 रन ही बना सके जिससे फैंस के साथ ही क्रिकेट विशेषज्ञ निराश हो गए। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने बयान दिया है कि अगर गिल तमिलनाडु से होते, तो टेस्ट क्रिकेट में इतने खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर कर दिया गया होता। बद्रीनाथ ने कहा कि मेरे लिए यह देखना बहुत मुश्किल है। उस स्तर पर उनसे जो उम्मीदें थीं उसमें वह खरा नहीं उतर पाए। आप रन बना सकते हैं, आप नहीं बना सकते, लेकिन इरादा और आक्रामकता होनी चाहिए। चाहता था कि वह गेंदबाजों को थका दे।

उन्होंने आगे कहा कि मैं चाहता हूं कि आप गेंद को पुराना बनाएं। अपने साथियों की मदद करें और रन न बनने पर भी डटे रहें। 100 गेंदें खेलें, गेंदबाजों को थकाएं। आपकी टीम का योगदान यही है (होना चाहिए)। लबुछेन और मैकस्वीनी ने ऐसा किया कुछ गेमों में बहुत सारी डॉट गेंदें खेलकर उन्होंने वास्तव में बुमराह को थका दिया। बद्रीनाथ ने यह भी आरोप लगाया कि अगर शुभमन गिल तमिलनाडु से होते तो उन्हें हटा दिया गया होता। उन्होंने कहा कि अगर शुभमन गिल तमिलनाडु से होता तो उसे हटा दिया गया होता।

आलोचनाओं के साथ-साथ शुभमन गिल की फील्डिंग भी सुर्खियों में आ गई है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने मैदान में गिल के प्रदर्शन की आलोचना की और दावा किया कि वह स्लिप में भी अविश्वसनीय हैं और टीम में उनके समग्र योगदान पर सवाल उठा रहे हैं। बद्रीनाथ ने बताया कि गिल न केवल बल्ले से संघर्ष करते दिखे बल्कि 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान अपने क्षेत्ररक्षण कर्तव्यों को पूरा करने में भी असफल रहे। बद्रीनाथ ने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि आपको वहां जाकर यह नहीं कहना चाहिए, %ओह, मैं ऐसे ही खेलता हूं। मैं खड़ा रहूंगा और प्रदर्शन करूंगा। चार लोग इसके बारे में लिखेंगे। उस समय आप जो भी कर सकते हैं, आप कोशिश करें और इस श्रृंखला में, मुझे यह शुभमन से नहीं मिला। मैदान पर भी उनका खराब प्रदर्शन रहा। वह टीम के लिए क्या योगदान दे रहे हैं?

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित हुए छत्तीसगढ़ कैडर आईपीएस अमित कुमार

रायपुर, 07 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ कैडर के 1998 बैच के आईपीएस अधिकारी अमित कुमार को उनकी विशिष्ट और अनुकरणीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें मंगलवार, 7 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा प्रदान किया गया।

भानुप्रतापपुर नगर पंचायत सामान्य सीट मुक्त

भानुप्रतापपुर, 07 जनवरी 2025(ए)। दोनों पार्टी इस बार पुराने लोगों को मौका देंगी या नया चेहरा उतरेगी यहां तो आने वाला समय ही बताएगा वैसे कांग्रेस पार्टी से पूर्व अध्यक्ष सुनील बबला पाढ़ी व पंकज राज वाधवानी प्रबल दावेदार हैं। भारतीय जनता पार्टी से पूर्व अध्यक्ष निखिल सिंह राठौर व भाजपा मंडल अध्यक्ष नरोत्तम सिंह चौहान प्रबल दावेदार हैं। इसके अलावा दोनों पार्टियों में नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए दर्जनों दावेदार लाइन में लगे हुए हैं।

पत्रकार के हत्यारे ठेकेदार का लायसेंस निलंबित

रायपुर, 07 जनवरी 2025(ए)। पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के मुख्य आरोपी सुरेश चंद्राकर की गिरफ्तारी के बाद अब शासन स्तर पर कार्रवाई होनी शुरू हो गई है. इस कड़ी में लोक निर्माण विभाग ने उसका अ वर्ग ठेकेदार के पंजीयन क्र.6088 दिनांक 06.0×.2020) को निलंबित कर दिया है. लोक निर्माण विभाग की ओर से सोमवार को जारी आदेश में बताया गया कि मुख्य अभियंता, बस्तर परिक्षेत्र जगदलपुर ने विभाग में पंजीकृत अ वर्ग ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड का मुख्य आरोपी के रूप में गिरफ्तार किए जाने पर पंजीयन को निलंबित किए जाने की अनुशंसा की थी. इस अनुशंसा को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय ने सुरेश चंद्राकर के अ वर्ग पंजीयन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

सीएम ने शहीद जवानों को दी अंतिम विदाई

- » सीएम और गृहमंत्री ने शहीद जवानों की अर्थी को दिया कंधा,
- » तल्ख तेवर में नक्सलियों को दिया बड़ा संदेश
- » मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि
- » शहीद जवानों के परिजनों से भेंट कर भावुक हुए मुख्यमंत्री
- »कहा...नक्सलियों के खात्मे के लिए जारी रहेगा अभियान
- » गृहमंत्री ने भी दिया जवानों की अर्थी को कंधा

रायपुर, 07 जनवरी 2025(ए)। बीजापुर नक्सली हमले में घायल जवानों का अंतिम संस्कार मंगलवार को उनते पैतृक गांवों में किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी दंतेवाड़ा के कारली पुलिस लाइन में पहुंच कर शहीद जवानों तो श्रद्धांजलि दी। सीएम ने पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शहीद जवानों के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढाढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर कदम पर राज्य सरकार उनके साथ है।सीएम विष्णुदेव साय और राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा ने शहीद जवानों की अर्थी को कंधा दिया। इस दौरान दोनों नेता भावुक नजर आए। मुख्यमंत्री साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप ने शहीद जवान बामन सोढ़ी के पार्थिव शरीर को कंधा देकर उनके गृह ग्राम के लिए रवाना किया। साथ ही अन्य शहीद जवानों एवं वाहन चालक के पार्थिव शव को उनके गृह ग्राम रवाना किया गया।

जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बीजापुर के कुटरू क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा किया गया कायराना हमला न केवल हमारे जवानों पर, बल्कि लोकतंत्र और शांति के मूल्यों पर प्रहार है। जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। नक्सलियों के खात्मे के लिए अभियान निरंतर जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किसी भी हाल में हिंसा और आतंक को सहन नहीं किया जाएगा। हमारी सरकार बस्तर संभाग में शांति स्थापित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और मार्च 2026 तक प्रदेश में नक्सलवाद समाप्त होकर ही रहेगा। दंतेवाड़ा पुलिस लाइन में शहीदों के परिजन भी पहुंचे थे। अपने बहादुर सपूतों का शव देखकर हर कोई भावुक हो गया। परिजनों को भावुक देख सीएम विष्णुदेव साय और डेप्युटी सीएम विजय शर्मा ने शहीदों के परिजनों से मुलाकात की।

सोमवार को हुआ था हमला

बता दें कि बीजापुर जिले के कुटरू क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी ब्लास्ट के चपेट में आने से डीआरजी के 8 जवान सहित एक वाहन चालक शहीद हो गए थे। नक्सलियों के द्वारा लगाया गया आईईडी इतना धमाकेदार था कि गाड़ी के टुकड़े 25 फीट ऊंचे पेड़ पर लटके मिले थे।

दो महीने के बेटे ने पिता को दी अंतिम विदाई,

भावुक पल देख हर कोई रोया, नक्सली हमले में शहीद हुआ था जवान

सोमवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में हुए नक्सली हमले में 8 जवान शहीद हो गए थे। मंगलवार को शहीद जवानों को अंतिम विदाई दी गई। शहीदों के पार्थिक शरीर जब उनके गांव पहुंचे

तो पूरे गांव में मातम पसर गया। हर तरफ चीख मच गई। इसी बीच एक ऐसे तस्वीर सामने आई जिसे देख हर कोई रोने लगा। दी महीने के बेटे ने अपने पिता को अंतिम विदाई दी को वहां मौजूद सभी लोग जोर-जोर से रोने लगे।बीजापुर हमले में शहीद हुए जवान सुदर्शन का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में किया गया। अंतिम संस्कार की रस्म को पूरा करने के लिए परिजन शहीद के दो महीने के बेटे को लेकर श्मसान घाट पहुंचे। शहीद के अंतिम दर्शन के बाद जब उसे मुखाग्नि देने की बारी आई तो परिजनों ने रस्म पूरी करने को दौरान दो महीने के बेटे को गोद में लेकर पहुंचे। यह नाजारा वहां मौजूद जिसने भी देखा वह भावुक हो गया और जोर-जोर से रोने लगा।

रायपुर महापौर पद सामान्य महिला वर्ग के लिए आरक्षित

» नगर निगमों के लिए लॉटरी से आरक्षण संपन्न

रायपुर, 07 जनवरी 2025(ए)। नगरीय निकायों में आम निर्वाचन के लिए नगर निगमों में महापौर और नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों में अध्यक्ष के पदों के लिए आरक्षण प्रक्रिया आज रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में संपन्न किया गया। इसमें प्रदेश के 10 नगर निगमों में होने वाले चुनाव के लिए प्रदेश के सभी 14 नगर निगमों में महापौर और अध्यक्षों का आरक्षण लॉटरी से निकाला गया। नगर निगमों में महापौर पद, नगर पालिकाओं में अध्यक्ष पद और नगर पंचायतों में अध्यक्ष के पद के लिए आज आरक्षक लॉटरी से संपन्न किया गया। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के 10 नगर निगमों में होने वाले चुनाव के लिए प्रदेश के सभी 14 नगर निगमों में महापौर और अध्यक्षों का आरक्षण लॉटरी से पूरा कर लिया गया है।

किस क्षेत्र से कौन सा वर्ग होगा उम्मीद्वार

रायपुरः सामान्य महिला
रायगढ़ः एससी
अंबिकापुर:एसटी
कोरबा:सामान्य महिला
भिलाई:ओबीसी
भिलाई चरौदा:ओबीसी
रिसाली:एससी महिला
दुर्ग:ओबीसी
बिलासपुर:ओबीसी
राजनांदगांव:सामान्य
चिरमिरी:सामान्य
जगदलपुर:सामान्य
धमतरी :सामान्य
बीरगांवः सामान्य महिला।

2 नक्सलियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सुकमा, 07 जनवरी 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिलों में सुरक्षाबलों के ताबड़तोड़ ऐक्शन से बौखलाए नक्सलियों ने सोमवार को बीजापुर में एक शक्तिशाली इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस ब्लास्ट को अंजाम दिया। ब्लास्ट में ष्ठक्रत्र के 8 जवान और 1 वाहन चालक शहीद हो गए। बीजापुर की तरह सुकमा में भी जवानों को निशाना बनाने के लिए आईईडी प्लांट किया था, लेकिन सुरक्षाबलों ने इसे नाकाम करते हुए 2 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि इस कार्रवाई को साइबर सेल, नक्सल सेल की टीम, थाना पोलमपल्ली सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया। पकड़े गए नक्सलियों ने दोरनापाल-जगरगुंडा मार्ग पर 15-15 किलो के दो आईईडी प्लांट किए थे, जिन्हें बरामद कर लिया गया है। इसके साथ ही भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ भी बरामद किए गए हैं। बता दें कि तीन दिन से जारी अभियान के आखिरी दिन शनिवार 4 जनवरी की रात अबूझमाड़ के जंगल में दंतेवाड़ा, नारायणपुर, बस्तर व कोंडागांव जिले के डीआरजी व एसटीएफ के जवानों ने मुठभेड़ के दौरान पांच वर्दीधारी नक्सलियों को मार गिराया था।

सीएम की नसीहत का हुआ असर

अधिकांश ब्यूरोक्रेट्स ने समय से पहले दर्ज कराई उपस्थिति

रायपुर, 07 जनवरी 2025(ए)। नए साल के पहले दिन ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अफसरों को कार्यालय में समय पर आने की नसीहत दे दी थी। इसका असर तो दूसरे ही दिन दिखने लगा था, जब देर से आने वाले वाले कर्मचारियों को समय पर पहुंचने का फरमान जारी कर दिया गया। अब बारी अफसरों की थी, जिन्हें पीएस टू सीएम सुबोध सिंह ने साफ हिदायत दे दी कि उन्हें भी समय पर आना है। फिर क्या था, आज सुबह अधिकांश अफसरों ने समय से पहले ही अपनी हाजिरी दे दी।

» कर्मचारियों के बाद अब अफसर भी समय पर पहुंचने लगे मंत्रालय..!

सायको किलर ने किए चौकाने वाले खुलासे

तंत्र-मन्त्र की आड़ में नकली नोट छापने का करता था काम

रायपुर, 07 जनवरी 2025(ए)। रायपुर-धमतरी के तीन लोगों की हत्या करने वाले दुर्ग स्थित धनोरा के कंप्यूटर सेंटर संचालक सुखवंत साहू उर्फ सुखू से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। उसने दुर्ग के पाटन, अम्लेश्वर और नागपुर में तीन लोगों की हत्या की बात कबूल की है।

आरोपी ने सभी को धनवर्षा का झांसा दिया था। उनसे दो-दो लाख रुपए लिए थे। उनके घर पर तंत्र पूजा किया, लेकिन धनवर्षा नहीं हुई। इसलिए तीनों उससे अपना पैसा मांग रहे थे। आरोपी ने सभी को जहर देकर मारने की जानकारी दी है। पुलिस की टीम तीनों जगह जांच के लिए पहुंची वहां के थाने में तीनों की हत्या या गुम इंसान की कोई शिकायत नहीं है। पुलिस अब भी तीनों मामलों की जांच कर रही है।

आरोपी के घर से प्रिंटिंग मशीन मिली है। मोबाइल पर नकली नोट छापने का वीडियो भी मिला। आरोपी ने कबूल किया है कि वह प्रिंट का भी काम करता था। पुलिस को शक है कि आरोपी धनवर्षा का झांसा देकर लोगों को नकली नोट थमा देता था। इसलिए लोग उस पर भरोसा करने लगे थे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभनपुर खोरपा निवासी नरेंद्र साहू की हत्या मामले में आरोपी सुखवंत को गिरफ्तार किया जाएगा। आरोपी को प्रोडक्शन वारंट में लाने के लिए कोर्ट में अर्जी लगाई जाएगी। आरोपी को रायपुर लाकर पूछताछ की जाएगी। जल्द ही नवा रायपुर राखी निवासी हंसाराम साहू की मौत पर हत्या का केस दर्ज किया जाएगा।

नगरीय निकाय चुनाव को लेकर उप मुख्यमंत्री अरुण साव का बड़ा बयान

रायपुर, 07 जनवरी 2025(ए)। उप मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने नगरीय निकाय चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा चुनाव को एक साथ कराने की है।साव ने स्पष्ट किया कि यदि चुनाव अलग-अलग होते हैं तो 80 दिन का समय लगता है, जबकि एक साथ चुनाव होने पर यह प्रक्रिया 35 दिनों में पूरी हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव की घोषणा एक साथ होगी, जिससे इसे एक साथ कराए गए चुनाव के रूप में देखा जा सकेगा।मीडिया से बातचीत में अरुण साव ने बताया कि नगरीय निकाय चुनाव की आरक्षण प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, जो सरकार की तरफ से अंतिम कदम था। अब राज्य निर्वाचन आयोग चुनाव की तारीखों का ऐलान करेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव का बिगुल बज चुका है और प्रक्रिया जल्द ही आगे बढ़ेगी।भाजपा की 9 जनवरी को होने वाली बैठक पर बोलते हुए उप मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बैठक में आने वाले चुनावों पर विस्तार से चर्चा होगी। बैठक में सभी विधायक और सांसद उपस्थित रहेंगे।

हॉस्टल में छात्रा ने शिशु को दिया जन्म और फेंक दिया झाड़ियों में

» मामला हुआ उजागर तो अधीक्षिका को किया गया निलंबित

कोरबा, 07 जनवरी 2025 (ए)। जिले के पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के एक कन्या छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही कक्षा 11 वीं की छात्रा प्रेग्नेंट हो गई। देर रात इस छात्रा को प्रसव हुआ और उसने रात में ही नवजात बच्चे को हॉस्टल के पीछे फेंक दिया। आज सुबह जब छात्रा की तबियत बिगड़ी तो उसे पोड़ी के सरकारी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां मामले का खुलासा हुआ। इस घटना के बाद जिले के शिक्षा महकमे में हड़कंप मच गया है। वहीं कलेक्टर के निर्देश पर छात्रावास अधीक्षिका को सस्पेंड कर दिया गया है।

नवजात को टॉयलेट की खिड़की से फेंका

वार्डन जयकुमारी रात्रे ने बताया कि बच्चे के रोने की आवाज आने पर देखा गया कि छात्रावास के पीछे नवजात पड़ी हुई थी। जांच के दौरान यह बात सामने आई कि 11वीं की एक छात्रा ने प्रसव होने के बाद बाथरूम की खिड़की से उसे नीचे फेंक दिया था।

कड़ाके की ठण्ड में जीवित मिला नवजात

अस्पताल में सख्ती से पूछे जाने पर छात्रा ने बताया कि हॉस्टल के बाथरूम में डिलीवरी होने के बाद उसने बच्चे को पिछवाड़े में फेंक किया था। उसके बाद उक्त स्थान पर जाकर नवजात शिशु को बरामद किया गया। दैवयोग से रात भर कड़कडाती ठंड के बावजूद बच्चा जीवित मिला। उसे अस्पताल में गहन उपचार लाभ दिया जा रहा है। इस मामले की जानकारी मिलते ही प्रशासन में हड़कम्प मचा हुआ है, वहीं जच्चा-बच्चा दोनों को जिला अस्पताल रेफर कराया गया।

छात्रा ने कर दिया इनकार

वार्डन ने नवजात के जन्म के बारे में संबंधित छात्रा से पूछताछ की तो उसने इससे इनकार कर दिया। उसने कहा कि शिशु किसका है, उसे नहीं पता। बाद में छात्रा के माता-पिता को बुलाकर पूछताछ की गई तो उनका कहना था कि बेटी ने पहले कभी भी अपने गर्भवती होने के बारे में कोई सूचना नहीं दी थी।

एसएनसीयू में रखा गया है नवजात बच्ची को

प्रीमेच्योर बच्ची को कोरबा के

मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के विशेष नवजात शिशु वार्ड में भर्ती किया गया है। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर राकेश वर्मा ने बताया कि नवजात लगभग 7 से 8 महीने की गर्भस्थ है। ऑक्सीजन की कमी के कारण कुछ समस्याएं हैं, इसलिए उसे केयर यूनिट में रखा गया है। उसके पैर में भी चोट के निशान हैं। शिशु को ठंड लग गई थी और उसे हीटर से हीट देकर गर्म किया गया है, फिलहाल बच्चे की हालत नाजुक बनी हुई है।

शिक्षा अधिकारी पहुंचे छात्रावास

इस घटना के बाद से छात्रावास में छात्राओं की स्वास्थ्य निगरानी व देखभाल पर सवाल उठ रहे हैं। आखिर छात्रा के गर्भवती होने का पता अधीक्षिका को कैसे नहीं चला? इस मामले की जानकारी लगते ही जिला शिक्षा अधिकारी टीपी उपाध्याय, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी डी लाल व अन्य अधिकारी जांच पड़ताल करने हॉस्टल पहुंच गए। उनके द्वारा विभिन्न बिंदुओं पर जांच की गई।

अधीक्षिका पर की गई कार्यवाही

पौड़ी-उपरोड़ा के हॉस्टल में हुए घटनाक्रम की प्रारंभिक जांच के बाद कलेक्टर के निर्देश पर छात्रावास की अधीक्षिका जय कुमारी रात्रे को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही पूरे मामले की जांच के लिए स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग को निर्देशित किया गया है और जांच रिपोर्ट आने उपरांत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर अजीत वसन्त ने यह जानकारी दी है।

अधीक्षिका ने दी ये जानकारी

छात्रावास अधीक्षिका ने बताया कि आज सुबह करीब 8 बजे छात्रा की तबियत बिगड़ने की जानकारी हुई तो उससे पूछा गया, उसने दस्त की शिकायत बताया लेकिन लक्षण लगे नहीं। माहवारी संबंधी बात पूछने पर होना बताया, तब उसे अस्पताल चलने कहा गया। इस बीच हॉस्टल परिसर से रोने की आवाज आने पर स्टाफ से तलाश कराया गया तो परिसर में टॉयलेट के पीछे नवजात शिशु मिला। इसके बाद उक्त छात्रा के स्वास्थ्य संबंधी लक्षण ठीक नहीं लगे तो अस्पताल ले जाने पर पता चला कि उसी का प्रसव हुआ है।

यह मामला कोरबा जिला मुख्यालय से 42 किलोमीटर दूर उपरोड़ा विकासखंड स्थित गर्ल्स हॉस्टल का है। जिसका संचालन आदिम जाति कल्याण विभाग के द्वारा किया जा रहा है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)